News सिटी चीफ

वर्ष–15, अंक–153
पृष्ठ–8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

इंदौर, शनिवार 07 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

संसार को प्रेम से अपने अधीन किया जा सकता है, युद्ध से नहीं।- हीगेल

गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं

केंद्री की मंजूरी से नई प्रक्रिया के तहत मरीज जल्द हो सकेगा स्वस्थ

देश में जल्द शुरू होगा टीबी का असरदार और कम खर्चीला इलाज

नई दिल्ली। देश को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वैश्विक स्तर पर सतत विकास लक्ष्य के तहत टीबी का उन्मूलन वर्ष 2030 तक रखा गया है। देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन योजना के तहत बीपीएएलएम प्रक्रिया को मल्टी-ड्रग-रेसिस्टेंट ट्यूबरक्लोसिस(एमडीआर-टीबी) को मंजूरी दी है। इस प्रक्रिया के तहत टीबी का इलाज बेहतर तरीके से कम समय में हो सकेगा। इस प्रक्रिया में टीबी की नयी दवा प्रीटोमैनिड के साथ बेडाक्वीलीन और लाइनजोलिड के साथ दिया जायेगा। प्रीटोमैनिड के उपयोग का लाइसेंस पूर्व में सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन की ओर से दिया गया है। बीपीएएलम में चार दवाओं बेडाक्वीलिन, प्रीटोमैनिड, लाइनजोलिड और मोक्सीफ्लॉक्ससिन का कॉम्बिनेशन होगा। यह प्रक्रिया काफी असरदार, सुरक्षित और जल्दी इलाज में सहायक है। परंपरागत एमडीआर-टीबी के इलाज में कम से कम 20 महीने का समय लग जाता है और दवा के साइड इफेक्ट काफी गंभीर होता है। नयी इलाज प्रक्रिया में ड्रग रेसिस्टेंट टीबी का इलाज 6 महीने में हो सकेगा और इसमें सफलता की दर भी काफी अधिक है। इस प्रक्रिया से देश में 75 हजार ड्रग रेसिस्टेंट टीबी मरीजों का इलाज कम समय में हो सकेगा और पैसे की भी बचत होगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने हेल्थ रिसर्च विभाग के साथ सलाह-मशविरा के बाद टीबी के नये इलाज की प्रक्रिया को मंजूरी दी है। इस प्रक्रिया की समीक्षा विशेषज्ञों ने कई स्तर पर की। सबूतों की गहन पड़ताल की गयी। साथ ही इस प्रक्रिया को हेल्थ टेक्नोलॉजी एसेसमेंट किया गया। प्रक्रिया को सुरक्षित और कम खर्च वाला पाया गया। इस प्रक्रिया के लागू होने के बाद देश को टीबी मुक्त करने का अभियान तेज होगा। मंत्रालय का सेंट्रल टीबी विभाग इलाज की नयी प्रक्रिया को लागू करने की दिशा में योजना बना रहा है। इस बाबत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बातचीत की जा रही है ताकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का क्षमता विकास हो सके। देश में टीबी लैब का बड़ा नेटवर्क है।

कोयबंटूर से लेकर मुंबई तक गणपति की भक्ति
लालबाग के राजा के माथे सजा सोने का मुकुट

गणेश चतुर्थी का त्योहार शनिवार, 7 सितंबर को देश भर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में शनिवार सुबह गणपति की आरती की गई और उन्हें भोग अर्पित किया गया। इसके बाद भक्तों ने दर्शन किए और पुणे के दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर में %महाआरती% का आयोजन किया गया।मुंबई में %लालबाग के राजा% गणपति प्रतिमा का शनिवार को खास श्रृंगार किया गया। लालबाग के गणपति पांडाल में भक्तों की लंबी कतारें लगी थीं। इस साल, लालबाग के राजा को 20 किलोग्राम वजनी सोने के मुकुट से सजाया गया, जिसकी कीमत 15 करोड़ रुपए है। यह मुकुट इस पांडाल की भव्यता को और बढ़ा रहा है और भक्तों को आकर्षित कर रहा है। नागपुर के श्री गणेश मंदिर टेकड़ी में भी गणेश चतुर्थी के अवसर पर मंगल आरती की गई। तमिलनाडु के कोयंबटूर में भी भगवान गणेश की पूजा की गई और उन्हें प्रसाद अर्पित किया गया। मुंबई के श्री सिद्धिविनायक मंदिर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर आरती की गई। सिद्धिविनायक मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। अहमदाबाद के वस्त्रापुर नाथ महागणपति मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ एकत्रित हुई और वहां आरती का आयोजन किया गया। गणेश चतुर्थी के मौके पर देश भर में गणपति की पूजा भक्ति भाव के साथ की जा रही है।

पिकअप के ब्रेक फेल, 60 फीट गहरी खाई में गिरी, 3 की मौत, 20 मजदूर घायल

रतलाम में शनिवार को भीषण हादसा हो गया। पिकअप में सवार होकर फसल काटने जा रहे मजदूर हादसे का शिकार हो गए। धोलावाड़ डैम के पास घाट चढ़ते समय पिकअप के ब्रेक फेल हो गए। गाड़ी रिवर्स होकर 60 फीट गहरी खाई में गिर गई। एक्सीडेंट में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। 20 से अधिक घायल हैं। गंभीर घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया है। मामूली घायलों को रावटी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।जानकारी के मुताबिक, रावटी थाना क्षेत्र के खेड़ी खुर्द गांव के रहने वाले 50 से ज्यादा मजूदर पिकअप में सवार होकर फसल कटाई के लिए रतलाम जा रहे थे। खेड़ीकला और धोलावाड़ डैम के पास घाट चढ़ते समय गाड़ी के ब्रेक फेल हो गए। अचानक गाड़ी रिवर्स होकर खाई में पलट गई। आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। लोगों को वाहन से निकाला। पुलिस को भी सूचना दी गई। एंबुलेंस से घायलों को रतलाम मेडिकल अस्पताल और रावटी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

बाजार में बड़ी गिरावट से 5 लाख करोड़ डूबे
सेंसेक्स 1017 अंक टूटा, निफ्टी 24900 से नीचे

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के बाद सेंसेक्स 1,017.23 (1.23त्न) अंक टूटकर 81,183.93 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 292.95 (1.17त्न) अंक फिसलकर 24,852.15 के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका में रोजगार के आंकड़े आने से पहले निवेशकों में बेचैनी दिखी। अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती के आकार और गति को निर्धारित कर सकते हैं। ऐसे में इससे आने वाले समय में बाजार का रुझान तय होगा। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच घरेलू शेयर बाजार के भी सभी क्षेत्रों में बिकवाली देखी गई। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के दौरान बीएसई सेंसेक्स 81,200 से नीचे फिसलकर 1,100 अंक से अधिक नीचे पहुंच गया। इस बीच, निफ्टी 50 भी 24,900 अंक से नीचे फिसल गया। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के बाद बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5.3 लाख करोड़ रुपये घटकर 460.35 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, इंफोसिस, आईटीसी, एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट से इंडेक्स धड़ाम हो गया। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी पीएसयू बैंक और ऑयल व गैस इंडेक्स में 2त्न से अधिक की गिरावट आई। वहीं, ऑटो, बैंक, मीडिया, मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर 1त्न से तक टूटे। घरेलू स्तर पर केंद्रित स्मॉल-कैप इंडेक्स में 0.9त्न की गिरावट दिखी। मिड-कैप इंडेक्स 1.3त्न तक फिसल गया। एकल शेयरों में अशोका बिल्डकॉन के शेयरों के शेयर 6त्न तक चढ़े। इसकी सहायक कंपनी वीवा हाईवे ने पुणे की एक जमीन को बचेकर 453 करोड़ रुपये हासिल किए हैं, इसके बाद शेयरों में यह बढ़त आई। अमेरिका में शुक्रवार को आने वाले प्रमुख अमेरिकी रोजगार आंकड़ों से पहले निवेशकों के बीच घबराहट दिखी। इससे इक्विटी बाजार पर नकारात्मक असर पड़ा। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने हाल ही में इस बात पर जोर दिया था कि नीति निमार्ता श्रम बाजार में और अधिक कमजोरी का स्वागत नहीं करेंगे। इससे सितंबर में संभावित दर कटौती की संभावना बन गई है। विश्लेषकों को नौकरियों में 165,000 की वृद्धि और बेरोजगारी दर में 4.2त्न की गिरावट की उम्मीद है। नौकरियों के कम अवसर और निजी क्षेत्र में कम लाभ के बाद बाजार की चिंता बढ़ी है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके विजयकुमार के अनुसार अगर आज अगस्त के रोजगार के आंकड़े उम्मीद से कमजोर रहते हैं तो फेड कम से कम ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की कटौती कर सकता है।

राष्ट्रपति 19 को आएंगी इंदौर, दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल

उज्जैन। इंदौर के देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू शामिल होने आएंगी और इसी दिन 19 सितंबर को वे महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचेंगी। इसे लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। इसी दिन वे उज्जैन पहुंचकर महाकालेश्वर के दर्शन करेंगी। राष्ट्रपति भवन से उनका कार्यक्रम जारी होने के बाद उज्जैन में पुलिस प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी हैं। आज एसपी ने राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों को लेकर बैठक बुलाई है। इंदौर में होने वाले कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के तहत राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार एवं कई गणमान्यजन भी शामिल होंगे। राष्ट्रपति के उज्जैन आकर महाकाल दर्शन करने के कार्यक्रम को लेकर एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि महामहिम के आगमन को लेकर सभी व्यवस्थाएं पुख्ता की जाएंगी। सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम रहेंगे। द्रौपदी मुर्मू भारत की 15वीं और वर्तमान राष्ट्रपति के रूप में कार्यरत एक भारतीय राजनीतिज्ञ हैं। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्य भी रह चुकी है। वह भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने वाली जनजातीय समुदाय से संबंधित पहली व्यक्ति हैं। मुर्मू, प्रतिभा पाटिल के बाद भारत की राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने वाली दूसरी महिला हैं।

दोनों खिलाड़ियों ने थामा कांग्रेस का दामन, ओलंपियनों को नोटिस भेजने को लेकर कांग्रेस ने रेलवे पर साधा निशाना

राहुल से मुलाकात पर रेलवे ने विनेश और बजरंग को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने शुक्रवार को कांग्रेस का हाथ थाम लिया। पार्टी ने कहा कि दोनों पहलवान कहां से चुनाव लड़ेंगे, इसका फैसला केंद्रीय चुनाव समिति करेगी। यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल, पार्टी के हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सूरजभान, प्रवक्ता पवन खेड़ा और अन्य नेताओं की मौजूदगी में दोनों पहलवान कांग्रेस में शामिल हो गए। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस कदम के पीछे किसी साजिश के आरोपों का खंडन किया। इसके अलावा, ओलंपियनों को कारण बताओ नोटिस भेजने के लिए रेलवे पर निशाना साधा। पहलवान विनेश फोगाट ने निजी कारणों का हवाला देकर भारतीय रेलवे से शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। इसके अलावा, बजरंग पुनिया ने भी रेलवे की नौकरी से इस्तीफा दे दिया। फोगाट और पुनिया दिल्ली में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और पार्टी सांसद राहुल गांधी से मिलने के एक दिन बाद कांग्रेस में शामिल हुए। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वेणुगोपाल ने खुलासा किया कि रेलवे ने इस मुलाकात को लेकर पुनिया और फोगट को कारण बताओ नोटिस भेजा है। केसी वेणुगोपाल ने दावा किया कि बुधवार को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद रेलवे ने फोगाट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि नोटिस में राजनीतिक नेताओं से मिलकर सेवा नियमों का उल्लंघन करने की बात कही गई है। वेणुगोपाल ने पूछा कि क्या विपक्ष के नेता से मिलना अपराध है? साथ ही उन्होंने रेलवे अधिकारियों से फोगाट को कार्यमुक्त करने और राजनीति नहीं करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, विनेश फोगट और पुनिया ने रेलवे की अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और उन्हें कारण बताओ नोटिस मिला है। रेलवे ने अफवाहों का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी खबरें हैं कि आप (विनेश फोगाट) चुनाव लड़ने जा रही हैं। रेलवे का कहना है कि फोगाट चुनाव नहीं लड़ सकतीं क्योंकि वह रेलवे की कर्मचारी हैं और उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा है।

सीजेआई ने कहा- सरकार चुनी जा चुकी है, अब चुनाव के दौरान क्या होता है इसकी गाथा बंद करें और देश में शासन शुरू करें

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की एग्जिट पोल को नियंत्रित करने की याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एग्जिट पोल को नियंत्रित करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने इसे राजनीतिक हित याचिका करार देते हुए कहा कि देश में शासन चलने दें और चुनाव की गाथा को बंद करें। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बीएल जैन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। सीजेआई ने कहा कि सरकार चुनी जा चुकी है। अब चुनाव के दौरान क्या होता है इसकी गाथा बंद करें और अब देश में शासन शुरू करें। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग इस मुद्दे को संभालने में सक्षम है और वह चुनाव आयोग को नहीं चला सकता। बीएल जैन ने जनहित याचिका में कई चुनाव-सर्वेक्षण एजेंसियों और समाचार चैनलों को पक्षकार बनाया था। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मीडिया घरानों और उनकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ जांच की मांग की थी। याचिका में अधिवक्ता बीएल जैन ने कहा कि एग्जिट पोल प्रसारित किए जाने से निवेशकों को प्रभावित किया गया। इसके चलते 4 जून को नतीजों के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण 31 लाख करोड़ का नुकसान हुआ।

1980 में हुई एग्जिट पोल की शुरूआत- एग्जिट पोल की शुरूआत 1980 में भारतीय मीडिया से हुई। इसी के बाद से भारतीय मीडिया चुनाव के बाद से सर्वे करने लगा। दूरदर्शन ने 1996 में एग्जिट पोल शुरू किया था। चुनाव में मतदान खत्म होने के बाद जब मतदाता अपना वोट डालकर निकल रहे होते हैं तब उनसे पूछा जाता है कि उन्होंने किसे वोट दिया। इस आधार पर किए गए सर्वेक्षण से जो व्यापक नतीजे निकाले जाते हैं उन्हें ही एग्जिट पोल कहते हैं।

1998 में लगा था प्रतिबंध- 1998 में चुनाव आयोग ने ओपिनियन और एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले को रद्द कर दिया। उसके बाद 2009 लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर एग्जिट पोल पर प्रतिबंध की मांग उठी। बाद में कानून में संशोधन किया गया और संशोधित कानून के अनुसार चुनावी प्रक्रिया के दौरान जब तक अंतिम वोट नहीं पड़ जाता, एग्जिट पोल नहीं दिखाए जा सकते।

News सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में तैनात सूबेदार डिप्रेशन का थी शिकार

महिला सब इंस्पेक्टर ने सातवीं मंजिल से कूदकर दी जान

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। शहर में पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में सूबेदार (सब इंस्पेक्टर) के पद पर तैनात महिला अधिकारी ने सातवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. परिवार वालों के मुताबिक, वह पिछले कुछ महीनों से लगातार डिप्रेशन में चल रही थी। इस घटना से पूरे पुलिस महकमे में खलबली मच गई है।

आजाद नगर थाना प्रभारी नीरज मेढा ने बताया कि साल 2015 बीच की सूबेदार नेहा शर्मा शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। उनकी लाश पुलिस ट्रेनिंग स्कूल के पीछे बनी सरकारी बिल्डिंग के नीचे से मिली। पुलिस के मुताबिक यह मामला आत्महत्या का है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि नेहा जब बिल्डिंग के मेन गेट से अंदर आ रही थी, उस दौरान एक शख्स बाइक से बाहर की तरफ निकला। थोड़ी देर बाद एक और युवक बिल्डिंग में आया। लेकिन दोनों को ही इसका अंदाजा नहीं था कि नेहा इस तरह का कदम उठा लेगी। दोनों युवक जब वहां से निकल गए, लेडी एसआई ने गार्ड रूम की तरफ देखा और तेजी से बिल्डिंग में चली गई। सूत्रों के मुताबिक नेहा जिस बिल्डिंग से कूदी वह हाई सिक्योरिटी जोन में आती है। यहां दो डीसीपी और कई एडीसीपी, एसीपी और डीएसपी रहते हैं। जब नेहा ने एंट्री की तो किसी ने उसे टोका तक नहीं।

काम के बोझ से भी परेशान थी महिला

महिला सब इंस्पेक्टर नेहा शर्मा ने आत्महत्या क्यों की इसका पता नहीं चल पाया है। उनके पति ओम शरण का कहना है कि वह पिछले कुछ महीनो से डिप्रेशन में चल रही थी। महिला अधिकारी काम के बोझ से भी काफी परेशान थी। हालांकि पुलिस विभाग के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। आजाद नगर थाना प्रभारी का कहना है कि सभी बिंदुओं पर विवेचना चल रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया है।

बच्चे नींद से उठे तो मिली मां की मौत की खबर

नेहा मूल रूप से नीमच की रहने वाली थी। उनकी शादी 2019 में टीचर ओमशरण से रायपुर में हुई थी। नेहा की नियुक्ति 2015 में पुलिस विभाग में हुई थी। इसके बाद से वह लगातार पीटीसी में पदस्थ रहीं। परिवार का दावा है कि शादी से पहले से ही नेहा के डिप्रेशन का इलाज चल रहा था। नेहा के परिजन बताते हैं कि वह काफी शांत और सरल स्वभाव की थी। उनकी 8 माह की बेटी है जबकि 4 साल का बेटा है। दोनों ही नींद से जब उठे तो उन्हें अपनी मां की मौत की खबर मिली। इस घटना के बाद पूरा ही परिवार शोकाकुल है। पुलिस विभाग के आला अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

मैटरनिटी लीव पर चल रही थी

आजाद नगर थाना प्रभारी नीरज मीना ने बताया कि सूबेदार ने आत्महत्या की है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस परिजनों के बयान ले रही है। बताया जा रहा है कि महिला सूबेदार ने पति की लंबी उम्र के लिए हरतालिका तीज का व्रत रखा था, लेकिन अचानक उसने ये कदम क्यों उठाया, इसको लेकर कोई कुछ नहीं समझ पा रहा है। इस घटना से परिजनों की हालत खराब है। महिला सूबेदार पिछले काफी दिनों से मैटरनिटी लीव पर चल रही थीं।

कॉन्स्टेबल बनने के बाद बैंकिंग-पीएससी की परीक्षा दीं

नेहा पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल के रूप में भर्ती हुई थीं। परिवार के लोग नहीं चाहते थे कि वह कॉन्स्टेबल रहे। कड़ी मेहनत के बाद नेहा पुलिस विभाग में सूबेदार बनी थीं। तीन बार पीएससी की परीक्षा दी थी। वह बैंकिंग की परीक्षाएं भी दे चुकी थीं। मंदसौर में भी सूबेदार रहीं। नेहा की मां नारकोटिक विभाग में पदस्थ हैं। पिता भी पुलिस विभाग में रहे हैं।

8 को ड्यूटी ज्वाइन करने वाली थी

बताया जाता है कि 8 सितंबर को सूबेदार नेहा वापस से ड्यूटी ज्वाइन करने वाली थी। महिला की शादी तकरीबन 6 साल पहले ओम शरण नामक व्यक्ति से हुई थी। वह सरकारी टीचर हैं। मृतक महिला के दो बच्चे हैं, जिनमें एक बड़ी बेटी है तो वहीं एक साल का बेटा भी है। जिस समय ये घटना हुई तब बच्चे घर पर पिता के साथ थे। इस मामले में एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया का कहना है सुसाइड करने वाली सूबेदार डिप्रेशन में हो सकती थी। हालांकि अभी कोई कारण साफ नहीं है।

कौन बनेगा करोड़पति में भी पहुंची थी नेहा

नेहा शर्मा ने साल 2017 में प्रसारित हुए महानायक अमिताभ बच्चन के गेम शो कौन बनेगा करोड़पति के 9वें सीजन में हिस्सा लिया था। जहां से वे 10 हजार रुपए जीतकर लौटी थीं। दरअसल नेहा ने 8 सवालों का सही जवाब देकर 80 हजार रुपए जीत लिए थे, लेकिन वो 1 लाख 60 हजार रुपए के इनाम वाले 9वें सवाल का जवाब नहीं दे पाईं थीं और उनका जवाब गलत हो गया था, जिससे वे सीधे 10 हजार रुपए पर पहुंच गई थीं। नेहा की मां नारकोटिक विभाग में पदस्थ हैं और पिता भी पुलिस विभाग में रह चुके हैं।

विमानतल के रनवे की होगी मरम्मत, डामर रोड की पूरी परत हटाकर बिछाई जाएगी नई परत

एयरपोर्ट पर सालभर बंद रहेंगी देर रात से सुबह तक की उड़ानें

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। स्वच्छता की मिसाल कायम करने वाले इंदौर को नई सौगात मिलने वाली है। लेकिन इसके लिए एयरलाइंस और यात्रियों को कुछ वक्त परेशानी का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इंदौर एअरपोर्ट को संवारा जा रहा है। दरअसल, देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल के रनवे की मरम्मत होने जा रही है। यह काम फरवरी 2025 से शुरू होगा। इसके चलते एक साल तक देर रात से सुबह के बीच एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन बंद रहेगा। रनवे की मरम्मत के इस काम पर एयरपोर्ट अथॉरिटी 25 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करेगी। इस काम के तहत रनवे पर डामर रोड की तरह एक पूरी परत को हटाकर नई परत बिछाई जाएगी।

रनवे और टैक्सी-वे की रीसरफेसिंग के लिए जारी किए 25 करोड़ के टेंडर

शहर की सड़कों की ही तरह हवाई अड्डों की सड़क, यानी रनवे की हालत भी कुछ ठीक नहीं है। इसे देखते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी इसकी मरम्मत करवाने जा रही है। इस काम को रनवे रीसरफेसिंग या रीकारपेंटिंग कहा जाता है। इससे पहले 2017 में एयरपोर्ट पर यह काम किया गया था। लगातार उड़ानों के आवागमन से रनवे की हालत खराब होने के चलते अब दोबारा यह काम करवाया जा रहा है। हालांकि रनवे की छुटपुट मरम्मत का काम पूरे साल चलता रहता है। रनवे रीकारपेंटिंग के काम को पूरा होने में एक साल का समय लगेगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी टेंडर में इस काम के लिए 25 ।27 करोड़ रुपए की राशि तय की गई है।

2.75 किलोमीटर है रनवे

वैसे तो रनवे ज्यादा बड़ा नहीं है, फिर भी इसके सुधार मे एक साल का वक्त लगेगा। इंदौर एयरपोर्ट पर मौजूदा रनवे की लंबाई 2750 मीटर, यानी 2.75 किलोमीटर है रनवे रीसरफेसिंग के काम में इस पूरे रनवे पर बिठी डामर की परत को पूरी तरह से निकालकर नई परत बिछाई जाएगी। इसकी मोटाई चार से पांच इंच तक होगी। इसके बाद रनवे पर सड़कों की ही तरह साइनेज और लाइट्स लगाने जैसे काम भी होंगे।

रात को होगा काम, उड़ानें होंगी बंद

रनवे रीसरफेसिंग का टेंडर 1 अक्टूबर को होगा। वहीं काम की शुरूआत फरवरी 2025 से होगी। यह काम एक साल तक चलेगा। दिन के समय में काफी ज्यादा उड़ानों के आवागमन के कारण इस काम को रात करीब 12 से सुबह 6 बजे के बीच किया जाएगा। इसके कारण देर रात से सुबह के बीच की उड़ानें जरूर प्रभावित होंगी। एयरलाइंस को निर्देश दिए हैं कि वे फरवरी से एक साल के लिए देर रात की उड़ानें संचालित न करें। जो उड़ानें अभी चल रही हैं उन्हें भी रीशेड्यूल करें। अभी रात 12 से सुबह 6 बजे के बीच इंडिगो की बेंगलुरु, पुणे और अलसुबह की मुंबई और अहमदाबाद की उड़ानें संचालित होती हैं। आने वाले विंटर शेड्यूल में संभवत- कंपनी इन्हें रीशेड्यूल करेंगी। एक साल तक रात की उड़ाने बंद कर दी जाएंगी।

ममी बनाकर भेजा अमेरिकी प्रोफेसर का शव, मां कर रही इंतजार

सिटी चीफ इंदौर

पिछले दिनों इंदौर की रेडिसन होटल में मृत अमेरिकी प्रोफेसर विलियम माइकल रेनॉल्ड्स का शव पोस्टमॉर्टम के बाद गुरुवार को मुंबई भेज दिया गया। अमेरिका भेजने के लिए उसे ममी का रूप दिया गया है। प्रो. रेनॉल्ड्स के परिवार में सिर्फ मां है, जो शिकागो में अपने बेटे के अंतिम दर्शन के लिए इंतजार कर रही है।

प्रो. रेनॉल्ड्स की मां ने फ्यूनरल सर्विस एजेंसी को उनके शव को अमेरिका भेजने की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके शव को मुंबई से अमेरिका भेजा जाएगा। प्रो. रेनॉल्ड्स की देह को इंदौर से ममी के रूप में भेजा गया है। उनकी पार्थिव देह पर विशेष लेप लगाया गया और फिर उसे मेडिकल प्रोसेस से सुरक्षित किया गया। गुरुवार को शव इंदौर से रवाना हुआ जो दो दिन मुंबई में रहेगा और फिर अमेरिका पहुंचेगा। शव को सुरक्षित रखने के लिए लेप लगाया गया है।

यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे विलियम

प्रोफेसर रेनॉल्ड्स शिकागो की नॉर्थ पार्क यूनिवर्सिटी में एडमिशन रिप्रजेंटेटिव थे और इंदौर में रिर्क्यूटमेंट के संबंध में आए थे। उनकी मौत कार्डियक अरेस्ट से होने की आशंका है। रेडिसन होटल में जहां वे ठहरे थे, उस कमरे से हाइपरटेंशन संबंधी दवाइयां मिली हैं। उनकी मां ने फ्यूनरल एजेंसी के माध्यम से उनके शव को अमेरिका भेजने के लिए ई-मेल किया और एजेंसी ने दूतावास और मुंबई की एजेंसी से समन्वय किया। पुलिस ने बताया कि प्रोफेसर रेनॉल्ड्स की मौत के बाद उनके बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि वे अविवाहित हैं और परिवार में सिर्फ मां है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आई

विजयनगर एसीपी कृष्णलाल चंदानी ने बताया कि अभी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट नहीं आई है। प्रारंभिक तौर पर कार्डियक अरेस्ट से मौत होने की आशंका है। उनके कमरे से हायपरटेंशन संबंधी दवाइयां भी मिली हैं। उन्होंने 30 अगस्त को होटल में चेक इन किया था। एक सितंबर को तबीयत ठीक नहीं होने के कारण उन्होंने एक प्राइवेट हॉस्पिटल में चेकअप कराया था। रात को खाना खाकर सोए, तो फिर नहीं उठे।

परिवार में सिर्फ मां

पुलिस के मुताबिक अमेरिकी प्रोफेसर विलियम माइकल रेनॉल्ड्स के परिवार में केवल उनकी मां है। मौत के बाद पुलिस ने दूतावास के जरिए मां को सूचना दी। बेटे का शव शिकागो (अमेरिका) लाने के लिए मां ने एजेंसी को जिम्मा सौंपा। दोनों देशों के दूतावास से मंजूरी मिलने के बाद गुरुवार को उनका पोस्टमार्टम किया गया।

प्रोफेसर रेनॉल्ड्स दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल इवेंट में शामिल हुए थे। जहां विदेशों की 50 से ज्यादा यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इसके बाद वे 30 अगस्त को इंदौर आकर होटल में ठहरे थे। अगले दिन 1 सितंबर को वे अहमदाबाद जाने वाले थे, लेकिन रात को उनकी मौत हो गई।

यात्रियों को मिलेगी 'डिजी यात्रा' सुविधा

एयरपोर्ट पर अब लाइन में बर्बाद नहीं होगा यात्रियों का समय

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर के देवी अहिल्या एयरपोर्ट पर अब लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। शुक्रवार से यहां डिजी यात्रा सुविधा शुरू हुई। इसमें चेहरा देख कर सिस्टम स्कैन कर लेना और एंट्री प्वाइंट पर बार-बार दस्तावेज दिखाने के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी। यात्रियों को एक एप डाउनलोड कर उसमें मांगी गई जानकारी देनी होगी। उस एप के माध्यम से एयरपोर्ट पर लगे उपकरण एंट्री में मदद करेंगे।

इंदौर में डिजी यात्रा सुविधा की शुरूआत हो गई है। इस सर्विस से यात्री बिना लाइन में लगे सुरक्षा जांच जोन तक पहुंच जाते हैं और पीक अवर्स में भी समय बर्बाद नहीं होता। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू वर्चुअली इस कार्यक्रम में जुड़े। इंदौर के सांसद शंकर लालवानी इंदौर विमानतल पर उपस्थित रहे। सांसद शंकर लालवानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं नागरिक उड्डयन मंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा की डिजीयात्रा शुरू होने से यात्रियों को सुविधा होगी और उनका बहुमूल्य समय बच पाएगा। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में डिजीयात्रा सुविधा के माध्यम से यात्रियों को एयरपोर्ट पर इंट्री दी गई और उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर एयरपोर्ट डायरेक्टर विपिनकांत सेठ, सिक्योरिटी जांच के प्रमुख एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

क्या है डिजी यात्रा आईडी

डिजी यात्रा सुविधा एक फैसियल रिकॉग्निशन सिस्टम है। एयरपोर्ट पर एंट्री, सिक्योरिटी चेक, एयरक्राफ्ट में बोर्डिंग या लगेज ड्रॉफ के समय सिर्फ यात्रियों को अपना चेहरा दिखाना होगा। किसी तरह के फिजिकल बोर्डिंग पास, कोई और कागज या दूसरी चीज नहीं दिखानी होगी। प्रदेश में यह सुविधा सिर्फ इंदौर एयरपोर्ट पर ही शुरू हो पाई है। डिजी यात्रा (ॐ 31) पर खुद को रजिस्टर करना बहुत आसान है। प्ले स्टोर या आईओएस से डिजी यात्रा एप्लीकेशन डाउनलोड कर सकते हैं।इस एप्लीकेशन में मोबाइल नंबर और ओटीपी के जरिए रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। इसके बाद ऑफलाइन मोड में अपना पहचान पत्र अपलोड कर सकते है। आइडेंटिटी प्रोफाइलिंग के बाद यात्रियों को अपनी एक सेल्फी अपलोड करनी होगी।

किन्नर समाज कमेटी की गुरू ने कराया केस, पुलिस जांच में जुटी

किन्नर ले भागी रुपए और जेवर से भरा बैग

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर के पंढ़रीनाथ में किन्नरों की गुरू ने अपने चेले के खिलाफ आभूषण और नकदी से भरा बैग चुराने के मामले में केस दर्ज कराया है। बताया जाता है कि किन्नर घटना के बाद से लापता है।

पंढ़रीनाथ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नंदलालपुरा में रहने वाली सोनम कुंवर गुरू की शिकायत पर पुलिस ने उसके चेले किन्नर आलिया उर्फ सोहैल पर चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। सोनम कुंवर ने बताया कि वह किन्नर समाज कमेटी की गुरू है। नंदलाल पुरा में किन्नर कमेटी के लिए मार्केट से रुपए इकट्?ठा कर बड़ी कमेटी में उसे जमा करती है।

आलिया उर्फ सोहैल और साथी समीर हाशमी साथ रहते हैं। सोहेल आईडीए बिल्डिंग राजेन्द्र नगर में रहता है। वहीं समीर हीरानगर इलाके में रहता है। 29 अगस्त की सुबह आलिया नंदलालपुरा आई और मार्केट में नेक के लिए चली गई। इस दौरान सोनम कुंवर ने एक बैग निकाला। जिसमें आभूषण और रुपए रखे थे। दोपहर में दवाई खाकर सो गई। जब 2 बजे नींद खुली तो बैग जगह पर नही था। इसके बाद आलिया भी नहीं दिखी। सभी से बैग को लेकर पूछताछ की। सभी किन्नरों ने आलिया की तलाश शुरू की। एक साथी किन्नर ने बताया कि आलिया को उसने मार्केट में समीर की मां को बैग देते हुए देखा है। इसके बाद चोरी को लेकर आलिया पर शंका पक्की हो गई। इसके बाद थाने आकर शिकायत की है।

रेप का आरोप लगाने वाली बालिग निकली, अधिकारी ने कर ली शादी, एफआईआर खारिज

सिटी चीफ इंदौर

सीएमओ प्रभात बरकड़े के खिलाफ दर्ज रेप की एफआईआर को इंदौर हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। नगर पालिका में पदस्थ रहे बरकड़े पर इंदौर में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा पर दुष्कर्म का आरोप लगा था। 23 मार्च को इंदौर के एमआईजी थाने में पीड़िता ने इस मामले में केस दर्ज कराया था। एफआईआर में पीड़िता के नाबालिग होने की बात कही गई थी लेकिन कोर्ट में साबित हुआ कि पीड़िता घटना के समय बालिग थी। पीड़िता द्वारा एफआईआर करवाने के बाद ही आरोपी सीएमओ ने पीड़िता ने शादी कर ली थी। अधिकारी के वकील ने कहा है कि दोनों खुशी खुशी जीवन साथ में बिता रहे हैं। दोनों इंदौर में पढ़ाई के दौरान संपर्क में आए थे। दोनों शहडोल के बालाघाट के रहने वाले हैं। एक दूसरे को पहले से जानते थे और दूर के रिश्तेदार भी हैं। सीएमओ के वकील राहुल पेठे ने कहा कि पीड़िता का जन्म 6 नवंबर 2002 का है। घटना 8 मई 2022 की है, उस समय पीड़िता की उम्र 18 साल से अधिक थी। पहले पीड़िता के नाबालिग होने की बात कही गई थी। पीड़िता और सीएमओ दोनों शादी करके खुशी से साथ रह रहे हैं। कोर्ट ने सभी पहलुओं को देखते हुए एफआईआर को खारिज करने के ऑर्डर दिए हैं।

क्रिकेट खेलते समय सीएमओ की हुई थी गिरफ्तारी

शहडोल की धनपुरी नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रभात बरकड़े को इंदौर पुलिस ने सात अप्रैल 2024 को क्रिकेट खेलते वक्त गिरफ्तार किया था। पीड़ित ने 23 मार्च को इंदौर के एमआईजी थाने में उनके खिलाफ ऋकफ दर्ज कराई थी। पुलिस ने 376, 323, 294, 506 और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। आरोपी प्रभात बरकड़े पिछले दो साल से धनपुरी नगर पालिका में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में पदस्थ थे। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि अधिकारी प्रभात उसे इंदौर और जबलपुर समेत कई जगहों पर ले गया और शादी का झांसा देकर कई बार रेप किया। जब वह प्रभात पर शादी करने के लिए कहने लगी तो वह मुकर गया। इसके बाद उसने केस दर्ज करवाने का निर्णय लिया। पुलिस ने अधिकारी को 8 अप्रैल को कोर्ट में पेश किया था जहां सुनवाई के दौरान उसे जेल भेजा जा सकता था लेकिन पीड़िता और उसकी मां कोर्ट में आई और समझौता हो गया। अधिकारी के वकील ने कहा कि हमारा पक्षकार सात दिन में पीड़िता से शादी कर लेगा, इस पर कोर्ट ने सशर्त जमानत मंजूर कर दी। बाद में 12 अप्रैल को अधिकारी ने पीड़ित छात्रा से शादी कर ली है।

सालों बाद कांग्रेस भी भाजपा की राह पर : नाम के कारण हेय दृष्टि से बसाहटें देखी जाने का दिया तर्क

कांग्रेस ने उठाई जाति सूचक वाले गांवों मोहल्लों के नाम बदलने की मांग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। बीजेपी सरकार द्वारा लगता मध्य प्रदेश समेत देशभर में शहरों और संस्थाओं के नाम बदलने की मुहिम चलाई जा रही है। इसको लेकर लगातार दूसरी पार्टियां मुद्दा भी बना रही हैं। इतने सालों बाद अब कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) भी बीजेपी की राह पर आती नजर आ रही हैं। दरअसल कांग्रेस और बसपा ने नाम पर संबोधित किए जाने वाले गांवों, मोहल्लों, मजरे, टोलों और स्कूलों के नाम बदलने की मांग की है। साथ ही तत्काल सर्वे कराकर ऐसे जातिसूचक स्थानों के नाम बदलने की मांग सरकार से की है। इसको लेकर दोनों ही पार्टियों ने राज्यपाल मंगू भाई पटेल को पत्र लिखा है।

समाज में ऊंच नींच, श्रेष्ठ-अश्रेष्ठ का भाव होता है पैदा

कांग्रेस द्वारा राज्यपाल को लिखे पत्र में लिखा गया है कि मध्यप्रदेश की सरकार सम्प्रदाय एवं भाषाई पूवाग्रहों के कारण संस्थानों के नाम परिवर्तन पर विगत 20 वर्षों से निरंतर जोर देती आ रही है, किन्तु दुर्भाग्य है कि हजारों गांव मजरे टोले, शालाएं, जाति सूचक शब्दों के साथ नामांकित की गई है जिससे समाज में ऊंच नींच, श्रेष्ठ-अश्रेष्ठ का भाव पैदा होता है और अपनी बसाहट बताने में लोगों को शर्म भी महसूस होती है। उदाहरण के लिए टीकमगढ़ जिले में यूईजीएस लोहरपुरा, यूईजीएस ढिमरोला, यूईजीएस ढिमरयांना, यूईजीएस चमरोला, चमरोला खिलक, बजारियापुरा, चढरयाना आदि ऐसे हजारों गांव है, जो हर जिले में स्थित है।

पत्र में आगे लिखा गया है कि नाम के कारण ही ये बसाहटे, हेय दृष्टि से देखी जाती है और सामाजिक, भेदभाव का शिकार होती है ।आपसे मेरा आग्रह है कि साम्प्रदायिक सोच के आधार पर गांव, जिलों, मजरे टोलों के नाम बदलने के साथ-साथ सरकार सामाजिक समरसता में बाधक इन गांवों के नाम बदलने की शुरूआत करें। कांग्रेस पार्टी के विचार विभाग की तरफ से मैं मांग करता हूं कि सामाजिक न्याय, समता और भेदभाव रहित, समाज को स्थापित करने की दिशा में यह नींव का पत्थर साबित होगा।

प्रदेश में 5 हजार से ज्यादा नाम जाति सूचक

इधर बसपा नेता अवधेश प्रताप सिंह राठौर ने राज्यपाल मंगु भाई पटेल को ई-मेल के जरिए पत्र भेजा है। राठौर ने मांग की है। कि कई गांवों, बसाहटों और स्कूलों के नाम जातिसूचक हैं। ऐसे में उनके नाम बदले जाने चाहिए। पूरे मप्र में करीब 5 हजार से ज्यादा ऐसे नाम हैं जो जातिसूचक हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जिन शब्दों से असमानता का बोध होता है। उन नामों को बदलने में कोई हर्ज नहीं हैं।

आप जब संप्रदाय, भाषा के आधार पर जब स्टेशनों के नाम बदल रहे हैं, गांवों के नाम बदल रहे हैं, तो ऐसे गांवों के नाम सबसे पहले बदलने चाहिए। उन्होंने कहा कि बीजेपी दावा तो बहुत करती है कि हम जाति को नहीं मानते। उनका ध्यान इस तरफ क्यों नहीं जाता। ये सोच का अंतर है। भाजपा को ये बताना चाहिए कि क्या वो इन जाति सूचक गांवों, कस्बों, मजरों टोलों के नाम जारी रखना चाहती है। जहां से अस्पृश्यता का बोध हो, विषमता, ऊंच-नीच का बोध हो।

इन नामों के दिए उदाहरण

शासकीय प्राथमिक शाला (यूईजीएस) हज्जामपुरा ब्लॉक फंदा, जिला भोपाल।

शासकीय प्राथमिक शाला ढिमरौरा, जिखनगांव, ब्लॉक निवाड़ी, जिला निवाड़ी।

शासकीय प्राथमिक शाला गड़रयाना, ततारपुरा, ब्लॉक पृथ्वीपुर, जिला निवाड़ी।

शासकीय प्राथमिक शाला, काछीपुरा, बिनवारा, जिला निवाड़ी।

यूईजीएस चमरौला, बंजारीपुरा, ब्लॉक पृथ्वीपुर, जिला निवाड़ी।

धोबीखेड़ा, तहसील नटेरन जिला विदिशा।

सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश सरकार को घेरने की तैयारी में कांग्रेस

नवनियुक्त अध्यक्ष ने किया पद ग्रहण

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश कांग्रेस लगातार धरना और प्रदर्शन के माध्यम से सड़कों पर उतरकर मध्य प्रदेश सरकार को घेर रही है। वहीं कई कांग्रेस के बड़े नेता प्रदेश के मुद्दों को सोशल मीडिया के माध्यम से उठा रहे हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने अलग-अलग प्रयोग कर रही है। कांग्रेस का सोशल मीडिया विभाग एक बार फिर से सक्रिय हो गया है। सरकार को घेरने के लिए सोशल मीडिया विभाग के कार्यकर्ता ट्विटर, फेसबुक, वॉट्सएप सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्टिव हो रहे हैं। मंडल और बूथ स्तर तक की गतिविधियों को सोशल मीडिया पर शेयर करने के निर्देश हैं। इधर प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर ने गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह, प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक की विशेष उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया।

पद ग्रहण के बाद तुरंत ली कार्यकताओं की बैठक

कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर ने पद ग्रहण करने के तुरंत बाद सोशल मीडिया विभाग के कार्यकताओं की बैठक ली और आगे की रणनीति तैयार की। राठौर के साथ कांग्रेस सोशल मीडिया के नवनियुक्त स्टेट कॉर्डिनेटर अभिनव बरोलिया, चंचलेश व्यास, असद खान और अपूर्व भारद्वाज ने भी पदभार ग्रहण किया। राठौर एवं नवनियुक्त पदाधिकारियों को नेताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मप्र महिला कांग्रेस की अध्यक्ष विभा पटेल, कांग्रेस पदाधिकारीगण डॉ. महेन्द्र सिंह चौहान, भूपेन्द्र गुप्ता, रवि सक्सेना, तनय अग्रवाल, अवनीश बुंदेला, आनंद जाट, जितेन्द्र पाल सिंह राजा, मिथुन अहिरवार, राहुल राठौर सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर ने कहा कि मप्र कांग्रेस का सोशल मीडिया प्रदेश की जनता की सशक्त आवाज बने। प्रदेश में लगातार भ्रष्टाचार, अत्याचार और उत्पीड़न की घटनाएं सामने आ रहीं हैं। इसमें सोशल मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है। सरकार और प्रशासन जिन मुद्दों को दबाने-छिपाने में लगा है। वे जैसे ही कांग्रेस के सोशल मीडिया के सिपाहियों के संज्ञान में आएं उनका सत्यापन करने के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से जिम्मेदारों को जगाने का काम करें।

मप्र में किसान न्याय यात्रा निकालेगी कांग्रेस, एमएसपी बढ़ाने की मांग को लेकर जंगी प्रदर्शन की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी, महिला हिंसा जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेर रही कांग्रेस पार्टी अब किसानों के मुद्दों को लेकर किसान संगठनों के साथ सड़क पर उतरने की तैयारी में है। इसी सिलसिले में 20 सितंबर को कांग्रेस प्रदेश भर में किसान न्याय यात्रा निकालने जा रही है। इसके तहत सभी जिला मुख्यालयों पर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता किसानों के साथ ट्रैक्टर लेकर पहुंचेंगे।

कांग्रेस किसानों के लिए सोयाबीन का समर्थन मूल्य 6000 रुपये, गेहूं 2,700 रुपये और धान 3,100 रुपये प्रति क्विंटल में खरीदने की मांग कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि किसानों की आय दोगुना करने का भाजपा सरकार का वादा झूठा है और यह प्रदेश के किसानों ने देख लिया है।

वीडी शर्मा ने विपक्ष पर कसा तंज

सिर्फ राजनीति कर रही है मुद्दाविहीन कांग्रेस

सिटी चीफ भोपाल।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। हर घटना और दुर्घटना को कांग्रेस राजनीतिक रंग देने की कोशिश करती है और घड़ियाली आंसू बहाती है। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इस पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि वीडी शर्मा कुछ भी कहते रहे, पूरे प्रदेश में कानून-व्यवस्था ठप पड़ी है। पूरे प्रदेश में लूट और दुष्कर्म के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। जनता सब देख रही है। वह इन सभी घटनाओं की गवाह है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने यह भी कहा कि कांग्रेस हर मुद्दे पर राजनीति कर रही है। शांति का टापू माने जाने वाले मध्य प्रदेश का माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रही है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदेश की भाजपा सरकार कानून के प्रति सख्त है। बहन-बेटियों के साथ गलत कार्य करने वालों को सजा देने में सबसे आगे है। कांग्रेस और जीतू पटवारी केवल मध्यप्रदेश को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह कोई कांग्रेस की सरकार नहीं है, जहां गलत काम करने वालों को बचाया जाता था। भाजपा की सरकार में कानून सख्ती से लागू होता है और अपराधियों को सजा मिलती है।

उज्जैन की घटना पर तत्काल कार्रवाई

उज्जैन में अधेड़ महिला के साथ शराब पिलाकर सड़क पर दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई से शर्मा संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर आरोपियों को जेल भेजा। मध्यप्रदेश में कानून अपना काम करता है और किसी भी राजनीतिक दबाव में नहीं आता। इस पर कमलनाथ ने कहा कि यह तो एक उज्जैन का मामला है। पूरे मध्य प्रदेश में महिलाओं के साथ अत्याचार के मामले सामने आ रहे हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो चुकी है। जनता इसकी गवाह है।

क्या है उज्जैन का मामला

उज्जैन में गुरुवार शाम को एक वीडियो वायरल हुआ। एक युवक अधेड़ महिला से दुष्कर्म करता दिखा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और महिला के बयान लिए और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 व धारा 353 में प्रकरण दर्ज किया। आरोपी को भी आधे घंटे में गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यह वीडियो शेयर कर ट्वीट किया कि धर्मनगरी उज्जैन एक बार फिर कलंकित हुई है ! इस बार भी काला टीका उज्जैन की कानून-व्यवस्था के माथे पर ही लगा है ! यह सोचकर ही स्तब्ध हुआ जा सकता है कि मध्यप्रदेश में अब दिनदहाड़े, खुली सड़क पर दुष्कर्म शुरू हो गए हैं। अब गृहमंत्री या मुख्यमंत्री नहीं, प्रदेश सरकार के एक-एक मंत्री से सवाल है! शर्म से डूब मरो या कुर्सी छोड़ दो!

अटल ज्योति योजना का लाभ उठाने वालों की जांच के लिए एमपीएसईडीसी को भेजा डेटा

सब्सिडी लेने वालों पर जियो टेगिंग से नजर रखेगी बिजली कंपनी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्यप्रदेश की तीनों विद्युत वितरण कंपनियां (पूर्व क्षेत्र, मध्य क्षेत्र, और पश्चिम क्षेत्र) अटल ज्योति योजना के तहत अपात्र उपभोक्ताओं की पहचान के लिए जियो टेगिंग तकनीक का उपयोग करेंगी। यह जांच एमपीएसईडीसी (मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड) के सहयोग से की जाएगी, जिसकी शुरूआत भोपाल और ग्वालियर के पॉश इलाकों से हो चुकी है।

अटल ज्योति योजना के अंतर्गत 150 यूनिट तक की मासिक बिजली खपत वाले उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान की जाती है। इस योजना का लाभ उठाने वाले उपभोक्ताओं की वास्तविक स्थिति की जांच के लिए विद्युत वितरण कंपनियों ने अपनी बिलिंग प्रणाली का डाटा एमपीएसईडीसी को उपलब्ध कराया है। इसके साथ ही नगर निगम और नगर पालिका के संपत्ति डाटा का भी समन्वय स्थापित किया गया है। जियो टेगिंग के माध्यम से एमपीएसईडीसी द्वारा उपभोक्ताओं की जानकारी निकाली जाएगी, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि कहीं बड़े भू-भाग या अधिक कीमत वाली संपत्तियों के उपभोक्ता इस योजना का अनुचित लाभ तो नहीं उठा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के आधार पर विद्युत वितरण कंपनियां ऐसे परिसरों की पहचान कर कार्रवाई करने की योजना बना रही हैं। एमपीएसईडीसी के एमपी जियो पोर्टल की मदद से कलेक्टर गाइडलाइन के तहत हुई संपत्ति रजिस्ट्रियों की जानकारी निकाली जाएगी, जिससे पता चलेगा कि किस उपभोक्ता की बिजली खपत 150 यूनिट तक है। इससे अपात्र उपभोक्ताओं की पहचान कर उन्हें अटल ज्योति योजना के दायरे से बाहर किया जाएगा।

अटल ज्योति योजना के दायरे में वे उपभोक्ता आते हैं जिनकी मासिक बिजली खपत 150 यूनिट तक है। ऐसे उपभोक्ताओं को ऊर्जा विभाग द्वारा सब्सिडी दी जाती है। मध्य प्रदेश की तीनों विद्युत वितरण कंपनियों के द्वारा अपनी बिलिंग प्रणाली का डाटा मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम लिमिटेड (एमपीएसईडीसी) को उपलब्ध कराया गया है। इस कार्य में नगर निगम व नगर पालिका के साथ समन्वय स्थापित कर संपत्ति डाटा भी एमपीएसईडीसी को दिया गया है।

अनेक कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं से अपील

विद्युत वितरण कंपनियों ने ऐसे उपभोक्ताओं से अपील की है जिनके परिसरों में एक से अधिक बिजली कनेक्शन चल रहे हैं। उन्हें सुझाव दिया गया है कि वे अपने कनेक्शनों को मर्ज कराकर एक ही बिजली कनेक्शन करवाएं। इसके लिए उपभोक्ता नजदीकी विद्युत वितरण केंद्र या जोन कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

गैस चूल्हा सुधारने की आड़ में कर रहे थे रिफलिंग का कारोबार,16 सिलेंडर बरामद

भोपाल। अशोका गार्डन क्षेत्र में गैस चूल्हा सुधारने की आड़ में रिफलिंग का कारोबार किया जा रहा था।इसकी शिकायत गुरुवार को खाद्य विभाग को मिली तो टीम ने रैकी कर दुकान पर दबिश दी। जहां से 16 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए है। खाद्य विभाग की टीम ने दुकानदार के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जिसे आगे की कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

खाद्य आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया कि अशोका गार्डन स्थित रिषी इंटरप्राइजेस की शिकायत मिली थी कि गैस चूल्हा, भट्टी, कुकर आदि सुधारने की आड़ में रिफलिंग का काम किया जा रहा है। इससे टीम सहित मौके पर पुहंचकर निरीक्षण किया।

मदरसों को अब तक नहीं मिली दो माह पहले जारी हुई राशि

सिटी चीफ भोपाल।

मदरसों को करीब दो माह पहले लोक शिक्षण संचालनालय से जारी की गई राशि को प्रदेश के कई जिला शिक्षा अधिकारियों ने रोक रखा है। इनमें दूर दराज के जिलों से हटकर ऐन राजधानी का जिला शिक्षा मुख्यालय भी शामिल है।

जानकारी के मुताबिक राज्य शासन द्वारा अनुदान प्राप्त मदरसों को रिपेयर, मेंटेनेन्स एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन के लिए हर साल 25 हजार के मान से राशि आवंटित की जाती है। सूत्रों का कहना है कि लोक शिक्षण संचालनालय ने 26 जून को इस मद के लिए राशि जारी कर दी थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु जारी यह राशि प्रथम एवं द्वितीय त्रैमास हेतु (अप्रैल 2024 से सितम्बर 2024) के लिए जारी की गई थी। जानकारी के मुताबिक लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रथम किश्त के रूप में 30 लाख 56 हजार की स्वीकृति दी थी। लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेश के कुल 1208 अनुदानित मदरसों के लिए यह जारी की थी। इस राशि से मदरसों को रिपेयर, मेंटेनेन्स एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन कार्य करवाना है। इसके लिए प्रथम तिमाही किस्त के रूप में हर मदरसा को 1800 दिए जाना हैं। सूत्रों का कहना है कि लोक शिक्षण संचालनालय ने मदरसों के लिए राशि जारी करते हुए ताकीद की थी कि जिला शिक्षा अधिकरियों को आवंटित इस राशि को कोषालय के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर तत्काल आवश्यक रूप से ई-बैंकिग के माध्यम से सीधे मदरसों के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी जाए। इस पत्र में यह भी कहा गया था कि विलंब की स्थिति में इसका पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी का होगा। जून माह में जारी की गई राशि का उपयोग सितंबर 2024 तक किया जाना था, लेकिन जानकारी के मुताबिक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों द्वारा अब तक इस राशि का वितरण नहीं किया है। इस अव्यवस्था में राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के कई जिला शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि जून माह में जारी की गई मदरसों की राशि के बाद ही प्रदेश में मदरसों को लेकर एक सियासी घमासान शुरू हो गया है।

नए मैनेजर के आते ही बदल दिए नियम, लोग हो रहे परेशान

एसबीआई की फतेहगढ़ शाखा में जमा नहीं किए जाते अपने ही ग्राहकों के चेक

सिटी चीफ भोपाल।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की फतेहगढ़ शाखा में मनमाने तरीके का एक फरमान जारी कर दिया गया। दरअसल, यहां नियम बना दिया गया कि इस ब्रांच के क्योस्क में सिर्फ अन्य बैंकों के चेक ही जमा किए जा सकते हैं। इस बैंक के ग्राहकों को चेक जमा करना हो तो कोई और स्थान, ब्रांच में जाना होगा।

राजधानी भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहा पर मौजूद है हिंदी भवन परिसर। इस परिसर में अन्य सरकारी और गैर सरकारी दफ्तरों के बीच स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा भी मौजूद है। शाखा का नाम फतेहगढ़ ब्रांच है। ब्रांच के बाहर ही एटीएम, नगद जमा, पासबुक अपडेट और चेक डिपॉजिट मशीन की मौजूदगी वाला एक कियोस्क मौजूद है। यहां चेक डिपॉजिट मशीन के लिए ताजा नियम लागू किया गया है कि इसमें एसबीआई के अलावा अन्य बैंकों के चेक ही जमा किए जा

सकते हैं। इसका मतलब यह निकाला जाना चाहिए कि बैंक से संबंधित ग्राहकों को अपने चेक जमा करने के लिए या तो ब्रांच के खुलने का इंतजार करना होगा या किसी दूसरे क्योस्क की तलाश कर वहां तक दौड़ लगाना पड़ेगी। एसबीआई की इस ब्रांच में अब तक मैनेजर के रूप में कुंजेश कौशिक नामक अधिकारी पदस्थ थे। हाल ही में उनका ट्रांसफर राजधानी की ही अन्य शाखा में हो गया है। बताया जाता है कि पूर्व मैनेजर के कार्यकाल में यह नियम लागू नहीं था। एसबीआई से जुड़े ग्राहकों को यहां अपने अकाउंट में चेक जमा करने की सुविधा उपलब्ध थी। लेकिन नए मैनेजर के साथ आए नए नियमों की जानकारी देने का लापरवाही और अभद्रतापूर्ण तरीका यह है कि कौशिक का काम तरीका और उनके नियम कायदे अब यहां नहीं चलेंगे।

अब बदली व्यवस्था है, इन बदलाव के साथ ही बैंक की गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

बैंक का समय खत्म होने के बाद चेक जमा करना मुश्किल

बैंक टाइम खत्म होने के बाद एसबीआई ग्राहकों को अपने चेक जमा करना मुश्किल भरा है। चेक डिपॉजिट के लिए एसबीआई के अन्य कियोस्क लंबी दूरी पर न्यू मार्केट, इब्राहिमपुरा, स्टेट बैंक चौराहा पर स्थित हैं। मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की फतेहगढ़ शाखा के विशाल रघुवंशी का कहना है कि ग्राहक बैंक समय में अपने चेक शाखा में जमा कर सकते हैं। अन्य बैंकों के ग्राहकों की सुविधा के लिए व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

सम्पादकीय

मुफ्त की राजनीति का हश्र : पंजाब-हिमाचल की बढ़ती आर्थिक मुश्किलें

विभिन्न दलों की शाहखर्ची ने राज्यों की आर्थिकी की हालत पहले ही पस्त कर रखी है। राजनेताओं ने कभी वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं किया। दिल्ली से लेकर पंजाब तक आप सरकारों ने तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांटी हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसकी आर्थिकी कभी नहीं संभल पाती। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। जाहिरा बात है कि मुफ्त में कुछ नहीं मिलता।

धीरे-धीरे पंजाब व हिमाचल सरकारों के मुखियाओं को अहसास होने लगा है कि वित्तीय संकट दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। लगातार बढ़ते राजस्व घाटे व बड़ी होती देनदारियों से सत्ता में बैठे राजनेताओं को बखूबी पता चल रहा है कि सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये मुफ्त का जो चंदन घिसा जा रहा था, वह राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। यहां तक कि कर्मचारियों को वेतन व रिटायर कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किल आ रही है। गाल बजाकर बड़ी-बड़ी घोषणाएं करने वाले राजनेता तनख्वाह व पेंशन की तारीख आगे बढ़ाकर दावा कर रहे हैं कि इससे राज्य को आर्थिक बचत होने वाली है। संवेदनहीन राजनेताओं को इस बात का अहसास नहीं है कि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई समय पर चुकानी होती है। जिसको लेकर बैंक कोई रहम नहीं दिखाते हैं। राजनेताओं के आय के तमाम वैध-अवैध स्रोत होते हैं, कर्मचारी तो इकलौती तनख्वाह के भरोसे जीवन-यापन करता है। बहरहाल, चुनाव से पूर्व मुफ्त प्रलोभनों की तमाम घोषणाएं करने वाले राजनेताओं को अहसास हो चला है कि राज्य के खजाने में उनकी राजनीतिक विलासिता का बोझ ढोने का दमखम नहीं बचा है। विभिन्न दलों की शाहखर्ची ने राज्यों की आर्थिकी की हालत पहले ही पस्त कर रखी है। राजनेताओं ने कभी वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं किया। दिल्ली से लेकर पंजाब तक आप सरकारों ने तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांटी हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसकी आर्थिकी कभी नहीं संभल पाती। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। जाहिरा बात है कि मुफ्त में कुछ नहीं मिलता। मुफ्त की राजनीति के चलते इन महकमों के विस्तार व विकास पर ब्रेक लग जाता है। बहरहाल, पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर की ओर इशारा करती है। बीते वित्तीय वर्ष की आर्थिक बदहाली को दशार्ती कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे राज्य सरकार की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज चुकाने में चला जा रहा है। यह भी चिंताजनक है कि राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं मिल पा रहा है। इसके बावजूद यदि राजनेता शाहखर्ची से बाज नहीं आते और मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखते हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ेगी बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली की तस्वीर ही उकेरता है। अभी भी वक्त है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरा भारत

आज भारत ही नहीं पूरा विश्व देख रहा है कि एक राजनीतिक दल और उसका नेतृत्व किस प्रकार अपने उन संकल्पों को पूरा करने में सफल सिद्ध हुआ है, जिन्हें पूरा करना कभी असंभव सा लगता था। भाजपा सरकार में अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरे भारत ने अपने पुराने स्वाभिमान और आत्मगौरव को भी वापस हासिल किया है। राष्ट्रीय संकट में जनकल्याण की कसौटी पर भी भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाजपा के नेतृत्व ने एक अनूठा उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया है।

लोकतंत्र की भावना भारतीय जनता पार्टी संगठन की पंच निष्ठाओं में से एक है। यह भावना सिर्फ वैचारिक स्तर पर ही नहीं, अपितु पार्टी के आचरण और उसकी कार्यपद्धति में भी स्पष्ट दिखाई देती है। संगठन पर्व भाजपा का सदस्यता अभियान इसी लोकतांत्रिक कार्य पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है, जिसके माध्यम से नए सदस्य भाजपा परिवार से जुड़ते हैं और विचार को विस्तार देते हैं। ऐसे ही विशिष्ट कार्यशैली वाले अभियानों के बल पर भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा सदस्यता ग्रहण किए जाने के उपरांत देश में 2 सितंबर से संगठन पर्व प्रारंभ हो चुका है। हमारे पूर्वजों ने पार्टी संगठन तथा कार्यकताओं को गढ़ने और तराशने के लिए जो त्याग और परिश्रम किया है, उसी के बल पर वर्तमान में मध्यप्रदेश के पार्टी संगठन को पूरे देश में आदर्श माना जाता है। प्रदेश के लाखों-लाख कार्यकर्ता अपनी इस पहचान को कायम रखते हुए संगठन पर्व में पार्टी के विस्तार को नई ऊंचाईयां प्रदान करने को तैयार हैं।

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म-मानवदर्शन को अपने वैचारिक, दर्शन के रूप मंय अपनाया है तथा सुशासन, विकास एवं सुरक्षा भाजपा की प्राथमिकताएं हैं। पार्टी ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की है, जिन्हें पंचनिष्ठा कहते हैं। यह पंचनिष्ठाएं राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता (सर्वधर्म समभाव), गांधीवादी समाजवाद (सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गांधीवादी दृष्टिकोण द्वारा शोषण मुक्त समरस समाज की स्थापना) तथा मूल्य आधारित राजनीति है। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो वैचारिक प्रतिष्ठान और अधिष्ठान पर चलती है, और जो राष्ट्रवादी विचारों से जुड़ी है। हमें गर्व है कि हमारा दल देश का ऐसा एकमात्र राजनीतिक दल है, जिसने राष्ट्रहितों के साथ कभी समझौता नहीं किया, अन्य सभी दलों ने सत्ता प्राप्ति एवं स्वार्थ सिद्धि के लिए एक नहीं, अनेकों बार समझौता किया। भाजपा के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं है, समाज को अपेक्षित दिशा में प्रगति पथ पर ले जाना भी उसका पहला कार्य है। इसके लिये संगत दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो संगत विचारधारा से प्राप्त होता है। भाजपा को छोडकर आज भारत के सभी राजनैतिक दल विचारधारा की शून्यता के शिकार हैं। भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद तथा पंचनिष्ठाओं की संगत विचारधाराओं के आधार पर संगठन का नियमन कर रही है। शासन की नीति में भी इनका समुचित प्रतिबिम्बन होगा। भाजपा राष्ट्र प्रथम के साथ शोषित, वंचित, पीड़ित का उत्थान और सेवा कर रही है।

हमारे विचार की संकल्प शक्ति की वजह से ही लगभग पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात आज अयोध्या में भव्य व दिव्य राम मंदिर के निर्माण का सपना वास्तविकता बना है। हमारे पार्टी के संस्थापकों एवं असंख्य कार्यकताओं ने श्रीरामलला को अपने मंदिर में विराजमान देखने हेतु अपनी चुनी हुई सरकारें भी न्यौछावर कर दीं, यह अपने विचारधारा पर अडिग रहने का एक उदाहरण मात्र है। हमारे पितृपुरुषों का संकल्प एवं एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे की पूर्ति स्वरूप अनुच्छेद 370 को हटाने ऐतिहासिक निर्णय हमारी ध्येय पूर्ति की यात्रा का और एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार एवं हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह जी के कार्यकाल में भाजपा ने श्रद्धेय अटलजी की सरकार तथा तत्कालीन संगठन की नीतियों को दिशा देने के प्रयास के साथ ही अपनी विचारधारा अनुरूप राष्ट्र सर्वोपरि मानकर अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय किये हैं जो हमारी विचारों की स्पष्टता को प्रतिलक्षित करते हैं। हमारे संस्थापकों ने भारत को विश्व गुरू बनाने का जो सपना देखा था आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उस ओर हम कर्तव्यपरायणता के साथ अग्रसर हैं।

हमारी ध्येय यात्रा में पूर्ण बहुमत की सरकार आते ही तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून, आपराधिक न्यायिक कानूनों में बदलाव के साथ ही पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय पर आधारित गरीब-कल्याण की योजनाओं के द्वारा करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम भी हुआ है। हमारी केंद्र की सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत अनुरूप ही 50 करोड़ से अधिक लोगों के जनधन खाते खुलवाए और आयुष्मान, उज्ज्वला और पीएम आवास जैसी अनुकरणीय योजनाएं संचालित की गईं और देश खुले में शौच से मुक्त हुआ। घर-घर बिजली पहुंचाई गई, 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन दिए गए और हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाया।

कुछ प्रमुख आधारभूत कार्य हैं जो देश की पूर्ववर्ती सरकारों के 50 वर्षों के शासनकाल की प्राथमिकता होनी चाहिए थी, किन्तु वोट बैंक की राजनीति की वजह से किसी एक वर्ग विशेष की चिंता ही उनकी राजनीति की प्राथमिकता रही है। वे तुष्टीकरण करते रहे, हमने संतुष्टीकरण करने का ईमानदार प्रयास किया। वास्तव में, केंद्र और राज्यों की हमारी सरकारें सुशासन के प्रति समर्पित रहती हैं क्योंकि यही लोकतंत्र की आवश्यकता है। भाजपा समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात ही नहीं करती, बल्कि उसे चरितार्थ भी करती है। भाजपा के सिद्धांतों के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पारदर्शिता के शासन से देश के लोकत्रंत को मजबूती दी है, जिससे सामान्य व्यक्ति आज गरिमा के साथ जीवनयापन कर रहा है।

आज भारत ही नहीं पूरा विश्व देख रहा है कि एक राजनीतिक दल और उसका नेतृत्व किस प्रकार अपने उन संकल्पों को पूरा करने में सफल सिद्ध हुआ है, जिन्हें पूरा करना कभी असंभव सा लगता था। भाजपा सरकार में अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरे भारत ने अपने पुराने स्वाभिमान और आत्मगौरव को भी वापस हासिल किया है। राष्ट्रीय संकट में जनकल्याण की कसौटी पर भी भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाजपा के नेतृत्व ने एक अनूठा उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया है। कोरोना संकट में दुनिया के अनेक देशों ने जहां अपने नागरिकों को अपने हाल पर छोड़ दिया, वहीं भारत में भाजपा की मोदी सरकार ने अपने हर नागरिक के जीवन को अमूल्य मानते हुए उनके लिए अनाज के साथ दवाओं और अन्य वस्तुओं को उपलब्ध कराया। स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका तो निभाई और हर नागरिक के लिए उसे मुफ्त उपलब्ध कराने हेतु विश्व का सबसे बड़ा वैक्सिनेशन अभियान चलाकर दुनिया से अपने सामर्थ्य का लोहा भी मनवा लिया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही भाजपा का मूलमंत्र बन गया है।

लगभग 44 वर्षों की इस यात्रा में आज हमारी भाजपा भारतीय राजनीति के जिस शीर्ष पर पहुंची है, वो हमारी विचारधारा के प्रति एकनिष्ठ और समर्पित भाव से बढ़ते रहने के कारण ही संभव हुआ है। अपने 45 वें वर्ष में दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल ने चार दशक पूर्व जो सपने देखे, वह तो साकार हुए ही हैं, साथ ही स्वाधीनता के अमृत वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को अपना दिशा-सूत्र बना चुका है, जिसको पूरा करने का दारोमदार भी भारतीय जनता पार्टी के कोटि-कोटि कार्यकताओं के कंधों पर है। देश की सेवा के लिए अधिकाधिक लोगों को आव्हान और प्रेरित करना भाजपा का संगठन पर्व है। भारतीय जनता पार्टी का यह संगठन पर्व केवल सदस्यता आंकड़ों को बढ़ाने और सत्ता सुख भोगने के लिए नहीं है, बल्कि जनता का दुख-दर्द दूर करने के साथ देश का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि आज का विरोधी कल हमारा मतदाता बने, कल का मतदाता परसों भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बने और परसों का सदस्य हमारा सक्रिय कार्यकर्ता बने। निश्चित ही भाजपा अपनी संकल्प शक्ति, निष्ठा और नियति से इस लक्ष्य को पूरा करेगी तथा हमारे सदस्य देश के भविष्य-निर्माण की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाते हुए संकल्प सिद्धि की ओर अग्रसरता में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

जंग के बीच शांति का संदेश ले जाने का जोखिम

लगातार ये कहा गया कि भारत एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। सियासी तौर पर इसका अलग अलग विश्लेषण हुआ इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने जंग के बीच शांति का संदेश ले जाने का जोखिम उठाया। जिसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति ने भारत को लेकर जो भरोसा जताया उस पर पुतिन ने मुहर लगाया। रूस और यूक्रेन युद्ध पर पूरी दुनिया की उम्मीदें खत्म होती जा रही थी कि आखिर ये युद्ध कैसे खत्म हो सकता है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का पहले रूस दौरा और उसके बाद यूक्रेन दौरा हुआ। 23 अगस्त 2024 की वो तारीख जब पहली बार भारत का कोई प्रधानमंत्री यूक्रेन गया। ये दौरा ऐसे वक्त में हुआ जब रूस और यूक्रेन में जंग नए दौर में पहुंच गई। लगातार ये कहा गया कि भारत एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। सियासी तौर पर इसका अलग अलग विश्लेषण हुआ इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने जंग के बीच शांति का संदेश ले जाने का जोखिम उठाया। जिसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति ने भारत को लेकर जो भरोसा जताया उस पर पुतिन ने मुहर लगाया। 23 अगस्त को ही यूक्रेन के राष्ट्रपति ये कहते हैं कि इस जंग को केवल भारत ही रुकवा सकता है। क्योंकि पुतिन पर भारत का काफी प्रभाव है। यूक्रेन के राष्ट्रपति भारत के वर्चस्व की तारीफ करते हुए कहा था कि आप एक बड़े देश हैं, आपका प्रभाव बहुत बड़ा है और आप पुतिन को रोक सकते हैं और उनकी अर्थव्यवस्था को रोक सकते हैं और उन्हें वास्तव में उनकी जगह पर ला सकते हैं। इस बयान के करीब 15 दिनों के भीतर पुतिन ने भारत को लेकर बड़ा बयान दे दिया। जिससे रूस और यूक्रेन के बीच शांति की कोशिशें शुरू हो सकती हैं। रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि वो जंग के बीच यूक्रेन से बातचीत को तैयार हैं। व्लादिमीर पुतिन ने ये कहा कि यूक्रेन के साथ बातचीत को वो तैयार हो सकते है। मध्यस्थता के लिए उन्होंने तीन देशों के नाम भारत, चीन और ब्राजील लिए। यानी पीएम मोदी की तरफ से जो कोशिशे की गई थी, उसे पुतिन की मध्यस्थता के इस विकल्प से बल मिलता है। भारत बुद्ध की विरासत वाली धरती है जो युद्ध नहीं शांति की नीति पर चलता है। पीएम मोदी विभिन्न मंचों से साफ कर चुके हैं कि ये युद्ध का युग नहीं है। अमेरिका ने कहा है कि भारत यूक्रेन-रूस जंग को खत्म करने में अहम भूमिका निभा सकता है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका ऐसे किसी भी देश का स्वागत करता है जो यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने में मदद करने का प्रयास करना चाहता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने हाल में रूस की यात्रा के बाद यूक्रेन की यात्रा की थी। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मोदी से फोन पर बात की। किर्बी से बुधवार को पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि भारत युद्ध को समाप्त करने में भूमिका निभा सकता है? किर्बी ने कहा, ह्यहम ऐसी उम्मीद करते हैं कि भारत शांति कायम करने में भूमिका निभा सकता है। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद, 24 फरवरी 2022 से 31 जुलाई 2024 तक के जो आंकड़े ऑफिस ऑफ द हाई कमिश्नर ऑफ ह्यूमन राइट्स (डल्उल्फ) ने जारी किए हैं, वे मासूमों पर जुल्म की दास्तां बताते हैं। इनके मुताबिक, 35160 लोग या तो मारे गए या घायल हुए। इस दौरान 11520 मारे गए लोगों में 633 बच्चे थे, जबकि 23640 घायल आम नागरिकों में बच्चों की संख्या 1551 थी। डल्उल्फ ने यह भी कहा कि असल संख्या कहीं अधिक हो सकती है। सबसे ज्यादा 3900 कैजुअलटी मार्च 2022 में देखी गई। यूनिसेफ की 26 अप्रैल 2024 को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन में पिछले साल की तुलना में इस साल 40त्न अधिक बच्चे मारे गए। गौतम बुद्ध और भावित होती महात्मा गांधी के देश के तौर पर भारत हमेशा ही शांति और अहिंसा का पक्षधर रहा है। गांधी और बुद्ध के विचार हमें सतत याद दिलाते रहते हैं कि संघर्ष और हिंसा के बजाय अहिंसा और बातचीत के रास्ते से ही हम शांति की मंजिल पा सकते हैं। यह बताते हुए कीव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यूक्रेन और रूस से महात्मा गांधी और गौतम बुद्ध की राह अपनाने की अपील की। इस यात्रा के दौरान वह युद्ध के दौरान मारे गए बच्चों की याद में बनाए गए मेमोरियल भी गए थे और वहां जाकर भावुक हो गए। पीएम मोदी ने मासूमों की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि सभ्य समाज में जहां लोग मानवता पर विश्वास करते हैं, निर्दोष बच्चों की मौतें अस्वीकार्य हैं। मोदी ने कहा कि वह बच्चों के खिलाफ हिंसा से बहुत दुखी हैं। इसके साथ ही पीएम ने यह भरोसा दिलाया कि भारत इस क्षेत्र में शांति कायम करने के लिए अपने प्रयास करता रहेगा। उन्होंने शांति के लिए एक दोस्त के तौर पर व्यक्तिगत रूप से अपना योगदान करने का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूक्रेन दौरे को पूरी दुनिया उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत से आह्वान किया कि वह रूस के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों का उपयोग करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन में अपने अवैध युद्ध को समाप्त करने के लिए कहे।

धनकुबेरों का नया गढ़ बनता भारत

वर्ष 2023 एक विकट साल था। खासकर आर्थिक मोर्चे पर तो यह पूरा साल भारी ऊहापोह वाला रहा। एक तरफ यह उम्मीद थी कि कोरोना जैसी महामारी से निकलकर अर्थव्यवस्था मजबूत होकर उभरेगी, तो दूसरी ओर यह आशंका भी थी कि सुधरते-सुधरते कहीं सब कुछ फिर पटरी से उतर न जाए। मगर आज अगर कोई आपसे कहे कि बीते साल हर पांच दिन में भारत में एक नया अरबपति बन रहा था, तो कैसा लगेगा?

एकबारगी शायद यकीन ही न हो। मगर धनकुबेरों की गिनती और एक-दूसरे के मुकाबले उनकी हैसियत बताने वाली हुरुन इंडिया रिच लिस्ट (धनाढ्य सूची) बताती है कि गौतम अडाणी और उनका परिवार एक बार फिर मुकेश अंबानी परिवार को पीछे छोड़ पहले पायदान पर पहुंच गया है। हिंडनबर्ग कांड से तगड़ा झटका खाने के बाद अडाणी की संपत्ति में 95 फीसदी का उछाल दर्ज हुआ और इस लिस्ट के जारी होने तक उनकी कुल संपत्ति 11,61,800 करोड़ रुपये पर पहुंच चुकी है। दूसरे नंबर पर मुकेश अंबानी के परिवार की संपत्ति में भी साल 2023 में करीब 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उनकी संपत्ति थी 10,14,700 करोड़ रुपये।

ध्यान रखना चाहिए कि यह अरबपतियों की सूची है। एक वक्त था कि भारत में लखपति या करोड़पति होना ही बड़ी बात होती थी, लेकिन इस साल हुरुन रिपोर्ट में कुल 1,539 नाम हैं, जिनकी कुल हैसियत एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह गिनती पिछले साल से 220 ज्यादा है, लेकिन कुल 272 ऐसे लोग हैं, जिन्हें पहली बार इस सूची में जगह मिली है। उल्लेखनीय यह भी है कि इस सूची में सिर्फ भारत के अमीर शामिल नहीं हैं, बल्कि इसमें दुनिया भर में बसे भारतीय अमीरों की संपत्ति का हिसाब जोड़ा गया है। मगर सबसे बड़ी बात तो डॉलरों में एक अरब से ज्यादा जुटाने वालों की ही है और इस बार की लिस्ट में ऐसे 334 नाम हैं, यानी पिछले साल से 29 प्रतिशत ज्यादा। यह बात इसलिए और खास हो जाती है कि अब भारत एशिया में धनकुबेरों का नया गढ़ बनकर उभर रहा है।

जिस दौरान भारत में अरबपतियों की गिनती में 29 फीसदी की बढ़त हुई है, उसी दौरान चीन में यह गिनती 25 फीसदी गिर गई है। इसी का असर है कि एशिया में अरबपतियों की नई राजधानी अब मुंबई है। पिछले साल भर में मुंबई में अरबपतियों की गिनती में 58 नए नाम जुड़े हैं, जबकि यह सूची बनाने वाले बता रहे हैं कि इसी दौरान बीजिंग में अरबपतियों की गिनती में 28 फीसदी की गिरावट आई है। 92 अरबपतियों के साथ मुंबई अब दुनिया में तीसरे नंबर पर है। उससे आगे अब न्यूयॉर्क और लंदन का ही नाम है। एक अरब डॉलर वाली लिस्ट में भी तीन सौ से ज्यादा अमीर शामिल हैं। हालांकि, इसमें एक हजार करोड़ रुपये से ऊपर की संपत्ति वालों को गिनेंगे, तो भारत पहली बार डेढ़ हजार का आंकड़ा पार कर गया है। इस सूची को देखने से लगता है कि अमीरों की गिनती सिर्फ मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों तक सीमित नहीं है। मुंबई से 386 परिवार इस लिस्ट में शामिल हैं, जिनमें से 92 के पास एक अरब डॉलर से ऊपर की संपत्ति है। हम इन्हें खरबपति भी कह सकते हैं। दिल्ली के 217 नामों में से 68 खरबपति हैं। तीसरे नंबर पर है हैदराबाद, जिसके 104 बाशिंदों में से 18 खरबपति हैं। उसने बेंगलुरु को पीछे छोड़ा है, जो पिछले साल तीसरे नंबर पर था। इस बार बेंगलुरु के 100 नामों में 27 खरबपति हैं।

थोड़ा पीछे जाकर देखें, तो तेरह साल पहले जब हुरुन इंडिया ने यह सूची बनानी शुरू की थी, तबके मुकाबले भारत में डॉलर अरबपतियों की गिनती छह गुना हो चुकी है। और, पिछले पांच साल में इस लिस्ट का आकार 2019 के 750 से बढ़कर 2024 में 1,539 हो गया है। यही नहीं, हुरुन रिच लिस्ट बनाने वालों का कहना है कि यह सूची उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बनाई जाती है। 2024 की सूची में जो लोग शामिल हैं, उनकी कहानियां दरअसल भारतीय अर्थव्यवस्था की कहानी सुनाती हैं। दस साल पहले इस सूची में 1,800 करोड़ से ज्यादा संपत्ति वाले होते थे, अब 1,000 करोड़ तक पहुंचने से हमें छोटे शहरों और कस्बों में कमाल कर रहे लोगों की कहानियां सामने लाने में मदद मिलती है।

फिर भी यह कहानी अधूरी ही है। हुरुन इंडिया के संस्थापक और चीफ रिसर्चर अनस रहमान जुनैद का अनुमान है कि भारत में एक हजार करोड़ से ज्यादा हैसियत वाले करीब पांच हजार लोग होने चाहिए। यह बात अपने आप में एक बड़ा सवाल खड़ा कर रही है कि आर्थिक लेन-देन में इतनी चाक-चौबंद व्यवस्था के बाद भी एक हजार करोड़ रुपये से ऊपर की संपत्ति वाले लोग भी नजरों से ओझल रह सकते हैं।

दूसरी तरफ, यह भी देखने लायक बात है कि अमीरों की गिनती बढ़ रही है, खरबपतियों की गिनती भी बढ़ रही है, लेकिन सबसे ऊपर के पायदान पर पहुंचने की मशक्कत और मुश्किल होती जा रही है। दस साल पहले इस सूची के ऊपरी सौ नामों में शामिल होने के लिए सात हजार करोड़ की संपत्ति होना पर्याप्त था, लेकिन अब इसके लिए 28 हजार करोड़ रुपये होने चाहिए। शीर्ष दस में आने के लिए यही रकम 44 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर एक लाख 62 हजार करोड़ रुपये हो गई है। हालांकि, यह बात थोड़ा हैरान करती है कि इस समृद्धि से कितने लोगों को लाभ पहुंचता है या कितने लोगों को रोजगार मिलता है, सूची में इसका कोई जिक्र नहीं दिखता।

इसमें यह बात रेखांकित की गई है कि संपत्ति में बढ़ोतरी के मामले में सेवा कारोबार के मुकाबले मैन्युफैक्चरिंग या कारखानों वाले परिवार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले पांच साल के आंकड़े दिखाते हैं कि औद्योगिक उत्पादन वाले कारोबार ने समृद्धि के विस्तार में सबसे बड़ा योगदान दिया है। इसे यूं पढ़ा जा सकता है कि ऐसे कारोबार में बढ़त का अर्थ रोजगार में बढ़ोतरी भी होगी, लेकिन यह बात साफ नहीं है। बेशक, इस सूची को कोउ नृप होउ हमहि का हानी कहकर खारिज किया जा सकता है, लेकिन ऐसी सूची को बारीकी से पढ़कर कुछ अच्छे नतीजे भी निकल सकते हैं। हालांकि, आंकड़ा सामने नहीं है, पर इस बात में कोई शक नहीं है कि उद्योग या व्यापार में लगा कोई भी परिवार तब तक अपनी संपत्ति इतनी तेजी से नहीं बढ़ा सकता, जब तक कि उसके साथ-साथ बहुत से अन्य लोग भी इस समृद्धि के सफर में हमराह न हों।

बालाघाट, लालबर्रा के बघोली में ग्रामीणों ने मंदिर के सामने की भूमि अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराने कि करि मांग

ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बघोली के ग्रामीणों ने 5 सितंबर 2024 को तहसील कार्यालय में,ग्राम में मंदिर के सामने अतिक्रमणकारियों द्वारा अतिक्रमण करने पर तहसीलदार को उनकी लिखित शिकायत कर ज्ञापन सौंपा है। जिसमें ग्रामीणों के द्वारा उल्लेख किया गया है कि ग्राम बघोली के वार्ड क्रमांक 3 के चांदनी चौक में भगवान श्रीकृष्ण एवं माता कर्मा मंदिर निर्माण के सामने की भूमि अविलंब अतिक्रमण से मुक्त कराने हेतु तहसीलदार लालबर्रा को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत बघोली के वार्ड क्रमांक 3 चांदनी चौक में ग्राम पंचायत एवं ग्राम के समस्त सामाजिक, धर्म प्रेमियों के द्वारा विगत दिनों ग्राम में कोटवार से मुनादी कराकर सार्वजनिक बैठक रखी गई थी, जिसमें उपस्थित जन समूह के समक्ष मंदिर निर्माण का प्रस्ताव रखा गया था, जिस पर सर्वसम्मति से मंदिर निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई तत्पश्चात

बैठक उपरांत सरपंच एवं ग्राम वासियों द्वारा मंदिर निर्माण स्थल का फरवरी 2024 में भूमि पूजन किया गया तथा निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है परंतु अतिक्रमणकारियों चैनलाल चौधरी, गोविंदराम चौधरी, मानिक चौधरी उक्त तीनों लोगों द्वारा मिलकर मंदिर के सामने से दीवार बनाने का कार्य किया जा रहा है जो कि सामाजिक एवं धर्म विरोधी विचार धारा का परिचय दे रहे हैं। चूंकि इसमें एक अतिक्रमणकारी गोविंदराम चौधरी वार्ड क्रमांक 9 के पंच हैं और एक जिम्मेदार दायित्व का निर्वहन करने वाले जनप्रतिनिधि को ग्राम वासियों के विपक्ष में होकर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करना शोभा नहीं देता। ग्रामीणों ने मंदिर निर्माण के सामने की भूमि में अतिक्रमण कर दीवार बनाने वालों की दीवार हटवाने की कार्रवाई करने की मांग की है। जिससे की मंदिर निर्माण में एवं मंदिर में भविष्य में कोई भी धार्मिक आयोजन करने में ग्राम वासियों को कोई अव्यवस्था न हो एवं गांव में शांतिपूर्ण सामाजिक एवं धार्मिक आस्था की भावना बनी रहे। तहसीलदार को ज्ञापन सौंपने में- मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष मनोज समरित, उपाध्यक्ष कृपाशंकर साठोने, कोषाध्यक्ष भिवराम पटले, सचिव ताराचंद पटले, ग्राम उपसरपंच देवराम मेहरकर, ग्रामीण- खेमलाल पटले, पन्नालाल समरित, भिवराज समरित, मूलचंद लांझेवार, चुन्नीलाल मेहरकर, भूपेंद्र तुलसीकर, दीपेंद्र पटले, रूपलाल लांझेवार, डीलेश समरित, सुबेलाल लांझेवार सहित अन्य जन शामिल रहे।

बी.पैक्स के समस्त सचिव तीन दिन के अन्दर समितियों के संतुलन पत्र तैयार करें :- जिलाधिकारी मनीष बंसल

बी.पैक्स में आ रही इन्टरनेट सम्बन्धित समस्याओं को बीएसएनएल के अधिकारी तत्काल दूर करें

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में सहकारिता मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा देश भर में संचालित बहुउद्देशीय प्राईमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसायटी के कम्प्यूटराइजेशन की समीक्षा हेतु गठित जिला स्तरीय कार्यान्वयन वन एवं निगरानी समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में जनपद की 115 समितियों का तीन चरणों में कम्प्यूटराइजेशन कराये जाने की समीक्षा की गई। जिसमें जनपद की समितियों का प्रथम चरण में 66, द्वितीय चरण में 06 व तृतीय चरण में 43 समितियों का कम्प्यूटराइजेशन होना है। प्रथम एवं द्वितीय चरण में चयनित कुल 72 समितियों का कम्प्यूटराइजेशन का कार्य अपने अन्तिम चरण में है, जिससे भारत सरकार की इस योजना का कृषकों को अप्रत्क्ष रूप से लाभ मिल सकेगा। योजना की समीक्षा के दौरान जिला विकास प्रबन्धक, नाबार्ड द्वारा जिलाधिकारी को कम्प्यूटराइजेशन

की कार्यवाही में आ रही कतिपय समितियों की विद्युत एवं इन्टरनेट की समस्याओं से अवगत कराया गया, जिस पर जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा बैठक में उपस्थित बी0एस0 एन0एल0 के अधिकारियों को जनपद की समस्त बी0पैक्स में आ रही इन्टरनेट सम्बन्धित समस्याओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिये गये तथा सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक को सहकारी भवनों पर सोलर उर्जा संयत्र लगाये जाने की सरकार की योजना के अन्तर्गत, जिन समितियों पर विद्युत सम्बन्धी समस्या आ रही है, उन समितियों पर सोलर उर्जा संयंत्र स्थापित कराये जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में उपस्थित बी0पैक्स के समस्त सचिवों को तीन दिन के अन्दर समितियों के संतुलन पत्र तैयार करने एवं प्रथम चरण के कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया तथा द्वितीय चरण को भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, जिला विकास प्रबन्धक, नाबार्ड, डी0आई0ओ0/ एनआईसी, बी0एस0एन0एल के अधिकारी, सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिला सहकारी बैंक एवं जनपद की प्रथम एवं द्वितीय चरण में चयनित 72 बी0पैक्स के सचिव उपस्थित रहे।

सहारनपुर में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

तीन वर्ष के सभी बच्चों को आंगनवाडी केन्द्रों पर किया जाए पंजीकृत : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, राज्यपाल उत्तर प्रदेश शासन श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में जनपद के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को काष्ठ से निर्मित माँ सरस्वती की प्रतिमा भेंट की। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी तथा निर्माणकारी योजनाओं का रैण्डमली एवं औचक निरीक्षण किया जाए। निरीक्षण के बाद उसकी समीक्षा कर प्राप्त होने वाले बेहतर कार्यों एवं कमियों का बिन्दुवार विशलेषण करें जिससे योजना का सफल क्रियान्वयन एवं आमजन को लाभ हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किए जा रहे कार्यों में सकारात्मक परिणाम अवश्य आना चाहिए। माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बच्चों में खगोल एवं विज्ञान में किए जा रहे नवाचार के संदर्भ में कहा कि वैज्ञानिक उत्सुकता वाले बच्चों को प्रोत्साहित किया जाए तथा संसाधनों की पूर्ति के लिए

अधिकारी आगे बढकर कार्य करें। जनपद में सुनहरा कल पोषण भी पढाई भी अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि आंगनवाडी केन्द्रों में मास्टर ट्रेनर द्वारा आंगनवाडी कार्यकत्रियों के साथ सुपरवाईजरों को भी प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही साथ परीक्षा एवं प्रैक्टिकल के माध्यम से उपलब्धि को भी देखा जाए।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि 03 वर्ष के बच्चों शत-प्रतिशत आंगनवाडी केन्द्रों पर भेजा जाए। इसके लिए घर-घर जाकर सर्वे किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी आंगनवाडी केन्द्रों पर मैन्यू के अनुसार ही खाना बने। आंगनवाडी केन्द्रों के लिए इच्छुक गणमान्य नागरिकों एवं प्रबुद्धजनों का सहयोग लिया जाए। आंगनवाडी केन्द्रों में बच्चों के प्रवेश के लिए एक निर्धारित तिथि तय की जाए। उन्होंने मां शाकुम्भरी देवी परिसर स्थित समेकित पर्यटन विकास की कार्ययोजना की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि मंदिर परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। दुकानों पर मिलने वाले प्रसाद में गुणवत्ता के साथ स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जाए। इसके साथ उन्होंने हर घर जल, टीबी मुक्त भारत, बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा आईटीसी मिशन सुनहरा कल पोषण भी पढाई भी के तहत लगाई गयी स्टालों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को आश्वस्त किया उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरश: पालन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, पीडीडीआरडीए प्रणय कृष्ण सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा नेता व पूर्व मंत्री संजय गर्ग ने जिला सहारनपुर के विभिन्न नगर व कस्बों में अपने प्रतिनिधि नियुक्त किए

वैश्य समाज से अपने प्रतिनिधि नियुक्त करने पर सभी ने पूर्व मंत्री संजय गर्ग का आभार जताया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, भाजपा नेता व पूर्व मंत्री संजय गर्ग ने जिला सहारनपुर के विभिन्न नगर व कस्बों में अपने प्रतिनिधि नियुक्त किए है। संजय गर्ग ने बेहट से सचिन गर्ग, बिहारीगढ़ से अश्विनी मित्तल, छुटमलपुर सुरेश अग्रवाल, चिलकाना से हिमांशु गर्ग, सरसावा से दिनेश गुप्ता, कुतुबपुर से अरविंद बंसल, नागल से अजय अग्रवाल, देवबंद विवेक, अम्बेहटा से मनोज गुप्ता, रामपुर मनिहारान नवीन गुप्ता, नानौता से अरविंद अग्रवाल, बडगांव से प्रदीप गुप्ता, गंगोह से नीरज अग्रवाल, गागलहेड़ी से महेश गुप्ता को अपना प्रतिनिधि

नियुक्त किया है। उक्त सभी लोग अपने-अपने क्षेत्र में पूर्व मंत्री संजय गर्ग के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। ज़िले भर में वैश्य समाज से अपने प्रतिनिधि नियुक्त करने पर सभी ने पूर्व मंत्री संजय गर्ग का आभार जताया है।

सहारनपुर में मनाया गया पूर्व केंद्रीय मंत्री सचिन पायलट का जन्मदिन

केक काटा गया एवं मिष्ठान वितरण कर मनाया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, मिरगपुर गांव में चौधरी कालूराम के निवास पर पूर्व संचार केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री राजस्थान सचिन पायलट का जन्मदिन केक काटकर एवं मिष्ठान वितरण कर मनाया गया। इस अवसर पर चौधरी कालूराम ने कहा कि सचिन पायलट एक युवा होनहार एवं किसान नेता है। जिनमें जनता के कार्य करने की विशेष क्षमता है इसीलिए जनता भी उन्हें भरपूर प्यार करती है। सचिन पायलट अपने पिता स्वर्गीय राजेश पायलट

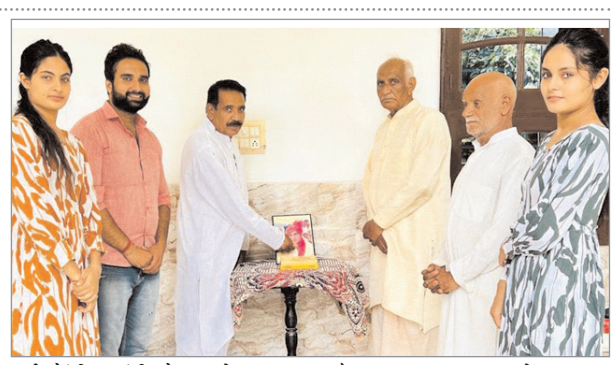

पूर्व केंद्रीय मंत्री के नक्शे कदम पर चलकर जनता की सेवा कर रहे हैं। हम सब उनके दीर्घायु एवं स्वास्थ्य की कामना करते हैं। इस दौरान अजय पवार, मनोज पवार, प्रदीप, अभिनव, ओमपाल सिंह, बिरमपाल, सचिन पवार, अनुष्का देवी, अंशिका आदि मौजूद रहे।

मेड़ता रोड में बाइक चोर के ठिकानों से 30 बाइक जब्त

मुख्य आरोपी सहित दो खरीददार भी गिरफ्तार, भीड़भाड़ की जगह से चुराते थे बाइक

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, दो दिन पहले मेड़ता रोड पुलिस की हिरासत से भागे बाइक चोरी के आरोपी के फिर से गिरफ्तार होते ही उसने बाइक चोरी वारदातों को लेकर कई राज उगले हैं। आरोपी और उसके दो साथियों की निशानदेही पर पुलिस ने संबंधित ठिकानों से चोरी की 30 बाइक जब्त की है। आरोपी दिलीप ने अब तक 80 के करीब बाइक चुराना कबूल किया है। पुलिस ने आरोपी के दो सहयोगी गैंग सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस तीनोंआरोपियों से अब भी गहन पूछताछ में जुटी है।मेड़ता डीएसपी पिंटू कुमार ने बताया कि बाइक चोरी वारदातों के मामले में हमने गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नागौर जिले के जायल थाना क्षेत्र के कठौती निवासी आरोपी दिलीप बेड़ा (29), नागौर जिले के खाटू बड़ी थाना क्षेत्र के खाटू बड़ी निवासी नौशाद अली (25) और डीडवाना-कुचामन जिले के खुनखुना थाना क्षेत्र के

शेरानी आबाद गांव निवासी यूनुस खान (19) को बाइक चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की 30 बाइक बरामद की है।

4 सितंबर को थाने से भाग गया था आरोपी दिलिप- मेड़ता रोड थाना पुलिस ने 3 सितंबर की शाम को बाइक चोरी के मामले में दिलीप बेड़ा को गिरफ्तार किया था। आरोपी 4 सितंबर को सुबह शौच जाने का बहाना बनाकर शौचालय के पीछे लगी खिड़की तोड़कर भाग गया था। हालांकि 10 घंटे बाद उसे मेड़ता रोड कस्बे के लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया था। अब आरोपी के फिर से गिरफ्तार होते ही पुलिस ने गहन पूछताछ की और इंवेस्टिगेशन के आधार पर दिलीप के दो और साथियों को गिरफ्तार कर सभी की निशानदेही पर चोरी की 30 बाइक जब्त की है। पुलिस पूछताछ में दिलीप ने अब तक 70 से 80 बाइक चोरी करने की बात पुलिस के सामने कबूल की है।

भीड़भाड़ वाली जगहों से चुराते बाइक- तीनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे अमूमन रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, कोचिंग सेंटर, बैंक या फिर भीड़भाड़ वाले इलाकों और बाजारों में बाइक चोरी करते थे, क्योंकि वहां पर बड़ी तादाद में बाइक पड़ी रहती थी। आरोपी पहले बाइक पर आने वाले व्यक्ति की रैकीकरते। बाइक खड़ी करने के बाद मालिक कहां तक जाता है ये भी पता करते और फिर बाइक मालिक की गैर मौजूदगी में मास्टर की या फिर अन्य उपकरणों से गाड़ी का लॉक तोड़कर चुरा लेते थे।

नायब तहसीलदार ने की जनसुनवाई

लोगों ने सड़क निर्माण व पेयजल की समस्या बताई

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, मेड़ता रोड के निकटवर्ती गोटन कस्बे के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र मे गुरुवार को कलेक्टर नागौर के आदेशानुसार ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई नायब तहसीलदार नेमाराम जाजड़ा की अध्यक्षता में की गई। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने मुख्य बाजर के श्रीराम चौराह के पास लगे ट्रांसफार्मर को हटाने, बाजर की मुख्य सड़क पर फैले कीचड़ की समास्या के समाधन, वार्ड नम्बर 21, 22 व 23 मे पेयजल की समस्या के समाधान एवं मुख्य बाजार मे प्रस्तावित सी.सी सड़क में डिवाइडर बनाने सहित विभिन्न मांगे रखी। नायब तहसीलदार नेमाराम जाजड़ा ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान कुल 12

परिवाद प्राप्त हुए जिनमें से 7 परिवादों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष 5 परिवादों को सम्बन्धित विभागों को निस्तारण के लिए प्रेषित किए गए। जनसुनवाई के दौरान ब्लॉक स्तरीय अधिकारी बिजली विभाग एक्सईएन रामजीवण जाखड़, पीडब्ल्यूडी विभाग के एईएन जयराम मातवा, पीएचईडी विभाग जेईएन शेरसिंह, पशुपालन विभाग से डॉ तुलसीराम, सरपंच भंवरलाल जमेरिया एंव अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। गोटन. जनसुनवाई के दौरान उपस्थित ग्रामीण एंव अधिकारी।

स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ मारपीट व अपद्र व्यवहार के मामले में परिवार ने एसपी से लगाई गुहार

डर के साए में स्कूल नहीं जा पा रहे छात्र-छात्रा

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, कुचामन सिटी के नजदीकी ग्राम सुजानपुरा में स्कूल छात्र-छात्राओं के साथ अपद्र व्यवहार मारपीट का एक मामला सामने आया है।मामले को लेकर परिवार के द्वारा एक मामला भी दर्ज कराया गया है। लेकिन 10 दिन बीत जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने पर परिवार जनों ने एसपी ऑफिस पहुंचकर गुहार लगाई है। और एक लिखित शिकायत भी है परिवार के द्वारा दी गई। जिन्होंने बताया है की डर के साए में छात्र-छात्रा स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। जिस तरह सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देती है। लेकिन बेटियां ही पढ़ने के लिए डर के साए में नहीं जा पा रही है।ऐसे में किस तरह बेटी पढ़ेगी और आगे बढ़ेगी।लिखित शिकायत में बताया की 28 अगस्त को पुलिस थाना कुचामन सिटी के समक्ष एक शिकायत पत्र प्रस्तुत किया कि मेरे पुत्र पुत्री को स्कूल से लौटते हुए बीच सड़क पर रास्ता रोककर उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए एक व्यक्ति द्वारा गालीगलौच मारपीट करना शुरू कर दिया। जिस पर थानाधिकारी द्वारा अभियुक्तगण के

खिलाफ एक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई।परिवादी का पुत्र जो की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय दीपपुरा की कक्षा 12 में अध्ययन करता है। तथा सुजानपुरा से रोज पढ़ने के लिए ग्राम दीपपुरा जाता है।जिसमे 20 अगस्त को विद्यालय की छुट्टी होने के बाद स्कूल के सामने मेरे पुत्र को पकड़ लिया और गाली गलौच कर कहने लगा मुझे इस्टाग्राम पर गालियां देता है। तब मेरे पुत्र ने कहा की मैंने आपको इस्टाग्राम पर कोई चेटिंग नहीं की है। फिर भी व्यक्ति नहीं माना और उसने मेरे पुत्र मुर्गा बनाकर जान से मारने की धमकी देते हुए छोड़ दिया। 27 अगस्त को अचानक दो जनों ने पुत्र को गालियां देते हुए लात मुक्कों से मारने लगे हाथ में पहने कडे से सिर में मारा जिससे सिर में चोट आई। तथा मेरी पुत्री जो कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययन करती है। जिसे भद्दी भद्दी गालियां दी और कहा कि तेरी ऐसी तैसी करूँगा और उठाकर ले जाऊगा मेरा नाम यह है।और सात आठ विद्यार्थियों के सामने पीटा कुछ विद्यार्थियो द्वारा बीच बचाव कर छुड्वाया। अभियुक्तगण के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज होने के पश्चात 28 अगस्त को रात को तकरीबन 8 बजे अभियुक्तगण घर आये और अभद्र भाषा गाली गलौच करते हुए सर पर बंदूक रखकर जान से मारने की धमकी देने लगे और कहने लगे कि ये मुकदमा उठा ले वरना जीवन लीला समाप्त कर देगे और पुत्र व पुत्री को धमकाने लगे और पुत्री की तरफ इशारा करते हुए कहने लगे की तेरी जिन्दगी नरक बना देंगे कहकर मुकदमा उठाने की धमकी देने लगे।और 31 अगस्त को व्यक्ति द्वारा अपना बचाव करने के लिए एक मिथ्या तथ्यों के आधार पर खिलाफ एक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई।मुलजिमान द्वारा पुलिस द्वारा राजीनामा कर मुकदमा उठाने का दबाव बनाया जा रहा है साथ ही मुलजिमान द्वारा घर आकर जान से मारने की धमिकिया दी जा रही है। 3 सितम्बर को स्कूल से लौटते हुए पुत्री को बीच रस्ते में रोककर उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए छेड़ छाड़ करने लगे।मेरे परिवारजन में मुलजिमान ने भय व्याप्त कर रखा है। मुलजिमान द्वारा मुझ प्रार्थी का जीवन दुश्वार कर रखा है। मुझ प्रार्थी द्वारा थानाधिकारी को इस घटना के सन्दर्भ में बार बार अवगत करवाने के पश्चात की आज दिनांक तक मुलजिमान के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गयी है अपितु पुलिस थाने में जाने पर पुलिस द्वारा मुझ प्रार्थी को अन्दर डालने की धमकी देकर राजीनामा करने का दबाव बनाया जा रहा है। रिपोर्ट देकर उचित कार्रवाई की मांग जिला पुलिस अधीक्षक से की है।

कमलेश सुहाने ने कहा

इतिहास रचेगा भाजपा सदस्यता महाअभियां

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ मैहर, भारतीय जनता पार्टी मैहर जिला भाजपा कार्यालय में आज पत्रकार वार्ता सदस्यता अभियान को लेकर की गई जिसमें मीडिया बंधुओ से रूबरू होते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने एवं महामंत्री विश्वनाथ तिवारी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया की सदस्यता अभियान कोई छोटा काम नहीं है भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा एवं देश में जनता के प्रति भाजपा के प्रति अति विश्वास से आज भारतीय जनता पार्टी का परिवार बढ़ रहा है लोग भारतीय जनता पार्टी के रीति- नीति और विचारधारा से प्रेरित होकर भारतीय जनता पार्टी के परिवार का हिस्सा बढ़-चढ़कर बन रहे हैं आज इसका जीता जागता उदाहरण है कि देश और विदेश तक में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के हर कोने में हर वर्ग के लोगों के हितों के बारे में विचार करना और उनको छोटी-छोटी से बड़ी से बड़ी मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने में देश की सरकार आज पीछे नहीं है जिससे आज हर वर्ग के लोग समाज के

अंतिम पंक्ति पर बैठे लोगों को भारतीय जनता पार्टी की योजनाओं और उसके द्वारा उनके हित और मान सम्मान की रक्षा पूर्ण रूप से सुरक्षित है आज महिलाओं को समझ में बराबरी का दर्जा और आत्म सम्मान भारतीय जनता पार्टी की सरकार दे रही है भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने ने कहा कि सदस्यता अभियान हमारे भाजपा परिवार को बढ़ा रहा है और लोग इस महा अभियान में स्वयं साक्षी बन रहे हैं और परिवार से जुड़ रहे हैं देखा जाए तो विरोधी और विपक्षी दल के लोग सदैव नकारात्मक क्रिया पर लगे रहते हैं और उन सारे लोगों की नकारात्मक बातों पर भारतीय जनता पार्टी का यह सदस्यता महा अभियान तीव्र प्रहार है कमलेश सुहाने ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदस्यों को जोड़ने के लिए निशुल्क सदस्यता अभियान के लिए 8800002024 नंबर पर मिस कॉल करके बड़ी आसानी से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बन सकते हैं आज तमाम मीडिया सोशल मीडिया में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता महा अभियान के सुर्खियां सदैव बनी रही है और मीडिया देश का चौथा स्तंभ है जिसने सकारात्मक अपने प्रचार प्रसार और खबरों के माध्यम से देश में लोगों को जागरूकता की क्रांति लाने का बड़ा योगदान दिया है।

पांच वर्ष से भी अधिक समय से कल्दा सनुकुटी

पिपरिया की आँगनवाडी भवन निर्माण कार्य अधूरा

सरपंच और अधिकारियों की मिलीभगत के कारन नहीं हो रहा विकास : केपी सिंह बुंदेला (सामाज सेवक)

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ मैहर, कल्दा ग्राम पचयात पौडी कला अंतर्गत सनुकुटी पिपरिया गाँव जो पन्ना जिले के मैहर वाडर पर स्थित है किसी बिभाग का कोई अधिकारी याहा पर नहीं जाता शिकायत होने पर जाँच पर जाता भी है गाँव के मुखिया सरपंच से मिल कर डुयूटी कर झूटी जाँच रिपोर्ट बना कर सरपंच को खुश कर मोटी रकम ले कर मामला दबा दिया जाता है। केपी सिंह बुंदेला (सामाज सेवक) ने मिडीया को जानकारी देते हुए बताया कि उधम सिंह पचयात पौडी कला के वर्तमान बरिष्ठ सरपंच है पिछले 15-20 साल से इनका परिवार इस पद पर

आसीन रहा है। वर्तमान सरपंच उधम सिंह वरिष्ठ होने के कारण उनका पुत्र परषोतम सिह सरपची करता है साथ मे सेल्समेन कोटेदार भी है। जनता परेशान है शिकायत होने पर कोई सुनवाई नहीं होती जिससे जनता ने शिकायत दर्ज करना ही बद कर दिया है बताया जाता है कि सताधारी नेताओ के दम पर भष्ट्राचार किया जाता है । जान कारी हो बच्चों के शिझा मन्दिर आँगनवाडी भवन निमार्ण को भी भष्ट्राचार से नही छोडा पांच वर्ष से अधूरा निमार्ण होने से आँगनवाडी शाला मे लगाई जाती है। बुन्देला ने कहा कि पिछले सात सालो से इस झेतृ सतत् सगठन आदिवासी दलित कांति सेना के बेनर तले आयोजन होते है जिसमे मुझे पूरी जानकारी है कल्दा पठार आदिवासी बहुल क्षेत्र है यहा पर उसी समाज के जनप्रतिनिधियों के कारण भष्ट्राचार की जड पनप रही है। जिसका शीघ्र ही कल्दा झेतृ की जनता को लेकर पन्ना कलेक्टर से मुखातिब हो कर उच्चस्तरीय जांच की मांग होगी।

औलियाकन्हार फिजिकल क्लब में लगेगी हाईमास्ट लाईटिंग

जनपद सदस्य हरिशंकर बनवारी ने अपने परफार्मेन्स मद से स्वीकृत किए साढ़े पांच लाख रुपए

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, पुलिस एवं सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं की मांग पर जनपद पंचायत क्षेत्र क्रमांक 7 के जनपद सदस्य हरिशंकर बनवारी (मुन्ना भैया) ने अपने परफार्मेन्स मद की राशि से औलियाकन्हार फिजिकल क्लब में त्वरित रुप से हाईमास्ट लाईटिंग की मंजूरी दी है। अब जल्द ही क्लब में हाईमास्ट लाईटिंग लगने से अलसुबह एवं शाम को प्रैक्टिस करने वाले युवाओं को काफी राहत मिल जाएगी और वे देर तक अपनी फिजिकल प्रैक्टिस को अंजाम तक पहुंचा पाएंगे।

उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत औलियाकन्हार अन्तर्गत औलियाकन्हार-बघोली मार्ग पर पिछले एक वर्ष से औलियाकन्हार फिजिकल क्लब संचालित है। इस क्लब में केन्द्रीय एवं मध्यप्रदेश पुलिस तथा सेना में भर्ती की इच्छा रखने वाले विकासखण्ड लालबर्रा ही नहीं अपितु विकाखण्ड से बाहर के भी प्रशिक्षणार्थी नियमित रुप से प्रैक्टिस के लिए सुबह-शाम आते है। युवाओं ने जनपद सदस्य श्री बनवारी को सौंपे अपने ज्ञापन में उल्लेखित किया है कि हम सभी आपके जनपद पंचायत क्षेत्र क्रमांक 7 के अन्तर्गत औलियाकन्हार फिजिकल क्लब ग्राम पंचायत औलियाकन्हार में फिजिकल की तैयारी करने नित प्रति सुबह-शाम आते है। सुबह एवं शाम को यहां पर अंधेरा रहता है, यह क्लब सुनसान क्षेत्र में भी स्थित है,जिससे डर की भावना विशेषतः बालिकाओं में हमेशा बनी रहती है।अंधेरा रहने से सुबह जल्दी भी नहीं आ सकते और शाम को अंधेरा हो जाने से जल्दी ही प्रैक्टिस समाप्त करनी पड़ती है। अतः यहां पर हाईमास्ट लाइट सहित स्ट्रीट लाइट की अत्यावश्यकता है। युवाओं के ज्ञापन पर त्वरित रुप से कार्यवाही करते हुए श्री बनवारी ने संबंधित अधिकारी को तत्संबंधी कार्यो का इस्टीमेट सह प्रस्ताव अतिशीघ्र प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अगले एक माह के अंदर ग्राउंड में हाईमास्ट लाइटिंग लग जाएगी।

इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए औलियाकन्हार फिजिकल क्लब के चेयरमैन ओपी बिसेन ने उन्हें आश्वस्त किया कि आप अपनी तैयारी नियमित रुप से जारी रखिए, आप लोगों को जहां जिस चीज की भी आवश्यकता होगी, उसे अतिशीघ्र पूर्ण किए जाने का प्रयास किया जाएगा। आपके पेयजल हेतु एक छोटी टंकी भी यहां पर अतिशीघ्र लगाई जा रही है। जनपद सदस्य को ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्यतः मासूम टेम्भरे, निखिल गोन्दुड़े, अलका रहांगडाले, हर्षिता बाकलवार, आयुषी गुयेश्वर, प्रिंस अवधिया, तैबा अली, रेशमा बनवाले, मिथलेश ब्रम्हे, रितिक कटरे, इशांत ठाकरे, नितुल बालेश्वर, अभय बाहेश्वर, रागिनी चौधरी, रत्नासागर परिमल सहित अन्यान्य युवक-युवती शामिल रहे।

प्रशासन की सख्ती के बावजूद जारी अवैध पशु तस्करी

तस्कर बेखौफ पार कर रहे पुलिस चौकियों की सीमाएं

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, प्रशासन के लाख प्रयास के बाद भी नहीं रुक रही अवैध पशु तस्करी की गाड़िया, जिले एवं जिले के बाहर आने वाले तमाम थानों की सीमा को पार करते हुए निकल रहे पशु तस्करों के वाहन, बता दे की समाज सेवियों एवं पशु रक्षा समितियों द्वारा प्रतिदिन रीवा जिला कंट्रोल रूम एवं सीधी जिला कंट्रोल रूम समेत सतना जिला कंट्रोल रूम में प्रतिदिन नामी तस्कर निहाल की एंट्री में आने वाली गाड़ियों की सूचना नंबर समेत दी जा रही है, जिसमे से कुछ गाड़िया पुलिस की कड़ी मेहनत से पुलिस के हत्थे भी चढ़ी है, लेकिन वही कुछ गाड़िया अभी भी प्रतिदिन

अपने ठिकानों तक अवैध पशु लेकर पहुंच रही है। सूत्रों के अनुसार नामी तस्कर का जिला बदर होने के बावजूद काम में किसी भी तरह की कोई भी कमी देखने को नहीं मिली है, जानकारी के अनुसार बेला पर बने टोल प्लाजा से होते हुए गोविंदगढ़ तक गाड़ियों की पायलेटिंग की जा रही है। बता दे की एमपी53जेडबी9185, एमपी53जीए3288, एमपी53जीए4361, सीजी04.एन7921, यूपी 96ङ्क. 8241 ये सारी गाड़िया अवैध पशु लेकर 3 दिन पहले इन्ही रास्तों से निकली है, जानकारी के अनुसार ये सभी गाड़िया सीधी जिले से लोड होते हुए रामपुर, नैकिन होते हुए गोविंदगढ़ ताला मुकुंदपुर होते हुए बेला रीवा चौराहटा से होके सिमरिया और धार कुड़ी की तरफ रवाना हो गई है।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, 6 आरोपी गिरफ्तार 5 लाख के 8 चोरी की मोटर सायकिल जप्त

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ अनूपपुर, कोतवाली पुलिस के द्वारा मोटर सायकिल चोर गिराह का पर्दाफाश किया जाकर पांच लाख रूपये कीमती 08 चोरी की मोटर सायकिल जप्त की जाकर 06 आरोपियो को गिरफ्तार किया गया।

कोतवाली पुलिस द्वारा मोटर सायकिल चोरी जाने वाले चिन्हित स्थानो जैसे स्टेशन उस पार ओवरब्रिज के पास एवं स्टेशन रोड बाजार पर चौकसी हेतु सादे कपड़े में पुलिस बल लगाया गया, साथ ही आस पास लगे हुए सी.सी.टी.वी. कैमरो एवं सायबर सेल की मदद से जानकारी एकत्र किया जाकर मोटर सायकिल चोर गिरोह के सरगना राकेश कुमार पनिका पिता तुलसी पनिका उम्र 43 साल निवासी भोगड़ाटोला, देवरी धनगवां थाना बुढार जिला शहडोल को रेल्वे स्टेशन अनूपपुर के पास संदिग्ध हालत में मोटर सायकिल चोरी के फिराक में घूमते पकड़ा जाकर पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा विगत एक वर्ष की अवधि में 08 मोटर सायकिल अनूपपुर से चोरी की जाकर जिला शहडोल के विभिन्न लोगो को सस्ते दामो में बेंच देना बताया गया। जो पुलिस द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर के अपराध क्रमांक 342/24 धारा 303(2) बी.एन.एस. दिनांक 08.07.2024 को रेल्वे लाईन उस पार ओवरब्रिज के पास से आकाश कुमार कोल पिता श्यामलाल कोल उम्र 24 साल निवासी ग्राम छुलहा की चोरी गई मोटर सायकिल होण्डा सिटी 100 एम.पी. 18 एम. क्यू 4529 को बसन्तू उर्फ सतेन्द्र दाहिया पिता जगदीश दाहिया उम्र 37 वर्ष निवासी धनपुरी थाना धनपुरी जिला शहडोल से जप्त की गई। थाना कोतवाली अनूपपुर के अपराध क्रमांक 402/24 धारा 379 भादवि. मे दिनांक 14.06.2024 को अनूपपुर रेल्वे स्टेशन ओवरब्रिज के पास से श्रीमती प्रभा लकड़ा पति स्व. अबनेजर तिग्गा उम्र 39 साल निवासी ग्राम ताराडांड़ की होण्डा साईन मोटर सायकिल एम.पी. 65 एम.सी. 9547 को लाला वर्मन पिता रामप्रसाद वर्मन उम्र 40 साल निवासी बुढार जिला शहडोल से जप्त किया गया। पुलिस चौकी जीआरपी अनूपपुर के अपराध क्रमांक 038/24 धारा 379

भादवि. में दिनांक 24.06.24 को रेल्वे स्टेशन जैतहरी के पास रेल्वे पैनल रूम के सामने पुल के नीचे से राजकुमार केवट पिता मोहन केवट उम्र 19 साल पाईन्टसमेन जैतहरी रेल्वे स्टेशन की एच एफ डीलक्स मोटर सायकिल एम.पी.65एम सी 7742 शिवकुमार साहू पिता बिसाहू साहू उम्र 55 साल निवासी अमलाई थाना अमलाई जिला शहडोल से जप्त किया गया। थाना जैतहरी अनूपपुर के अपराध क्रमांक 315/24 धारा 303(2) बी.एन.एस. में दिनांक 22.07.24 को मिनी स्टेडियम ग्राउण्ड के मंच के सामने जैतहरी से दिनेश सिहं राठौर पिता हेमसाय राठौर उम्र 32 वर्ष निवासी क्योंटार जैतहरी की मोटर सायकिल हीरो होण्डा स्पलेण्डर एम.पी. 65 एम सी 6683 को काशीराम सिहं पिता गोरेलाल सिहं उम्र 34 साल निवासी हरद थाना भालूमाड़ा से जप्त किया गया इसके साथ ही आरोपी सरगना राकेश कुमार पनिका द्वारा चोरी की गई मोटर सायकल हीरो पेशन लाल रंग की जिसका इंजन नम्बर एवं चेचिस नम्बर मिटा दिया गया है को राकेश चौधरी पिता श्यामलाल चौधरी उम्र 26 वर्ष निवासी बुढार जिला शहोडल से जप्त किया गया । मुख्य आरोपी राकेश कुमार पनिका से तीन अन्य मोटर सायकिल एच.एफ. डीलक्स एम.पी. 65 एम सी 7742, हीरो स्पलेण्डर एम.पी. 65 एम सी 6683 व हीरो कंपनी की बिना नम्बर काले रंग की मोटर सायकिल को धारा 35 (1) ड बी.एन.एस.एस./303(2),327 (2) बी.एन.एस.एस. में जप्त किया गया है। सभी गिरफ्तार आरोपियो का पुलिस रिमाण्ड लिया जाकर मोटर सायकिल चोरी की अन्य वारदातो में पूछताछ की जा रही है। मास्टर चाबी से करता था मोटर सायकिल चोरी पुलिस को पूछताछ में मुख्य आरोपी राकेश पनिका ने बताया कि रेल्वे स्टेशन के आस पास खड़ी मोटर सायकिलो को मास्टर चाबी से खोलकर चोरी कर ले जाता था जिसके लिए वह रेल्वे स्टेशन के आस पास घूमता रहता था और जब भी कोई व्यक्ति रेल्वे स्टेशन के ऊस पार अपनी मोटर सायकिल को खड़ी कर रेल्वे स्टेशन चला जाता था तब मौका देखकर मोटर सायकिल को चोरी कर ले जाता था

मोटर सायकिल मैकेनिक करता था वारदात में मुख्य सहयोग पुलिस द्वारा चोर गिरोह से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि मुख्य आरोपी राकेश पनिका द्वारा मोटर सायकिल चोरी किये जाने के बाद पकड़ा न जाये इसलिए मोटर सायकिल मैकेनिक लाला वर्मन निवासी बुढार के गैराज में सुधरने के नाम पर खड़ा कर देता था और बाद में मौका पाकर पांच हजार रूपये के सस्ते दामो में मोटर सायकिल को बेंच दिया करता था।

शहडोल जिले का आदतन अपराधी है मुख्य आरोपी सरगना पुलिस द्वारा पूछताछ पर खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी सरगना राकेश पनिका जिला शहडोल के थाना सोहागपुर के अपहरण एवं बलात्कार तथा धोखाधड़ी के मामलो में आदतन अपराधी है जिसके द्वारा लगातार मोटर सायकिल की वारदातो को अंजाम दिया गया है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा मोटर सायकिल चोर गिरोह का खुलासा कर चोरी की 08 मोटर सायकिल कुल कीमती पांच लाख रूपये जप्त कर 06 आरोपियो को गिरफ्तार करने के लिए टी.आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन एवं उनकी टीम को पुरूष्कृत किये जाने की घोषणा की गई है।

सीएसपी के पुत्रों की दबंगई, घर में घुसकर दंपत्ति से की मारपीट

आधी रात दरवाजा खुलवाया, पैसा वसूली को लेकर हुई वारदात

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, संभागीय मुख्यालय से सटे ग्राम मेढ़की मे एक किसान के घर मे घुसकर, पुलिस अधिकारी के दो पुत्रो ने अपने साथी के साथ मिलकर देर रात किसान व उसके परिवार के सदस्यो के साथ जमकर मारपीट की। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी शराब के नशे थे। साथ ही जिस कार मे वह इस वारदात को अंजाम देने गए थे, उसका एक वीडियो शोसल मीडिया मे वायरल हो रहा हैं। जिसमे शराब की बॉटल रखी हुईं दिखाई पड़ रही हैं। उक्त आरोपियो के पिता महेन्द्र सिँह वर्तमान समय सतना जिला मे सीएसपी के रूप मे पदस्थ हैं। जबकि पूर्व मे वह शहडोल जिले के बुढ़ार थाना प्रभारी के रह चुके हैं। उनका मकान शहडोल मे ही बना हुआ हैं। कहीं न कही इस बात का रसूख ही है जो देर रात घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। इस संबंध मे मिली जनाकरी के अनुसार संभागीय मुख्यालय से सटे ग्राम मेढ़की थाना पाली निवासी शहबाज खान पिता लल्लन खान 27 वर्ष ने थाने मे अपने परिजनों के साथ थाने मे शिकायत

दर्ज कराते हुए बताया कि वतन प्रताप सिह, मोनू सिह उर्फ़ बृजेन्द्र प्रताप सिह दोनों पिता महेन्द्र सिह अपने साथी गोलू बर्मन निवासी शहडोल के साथ बीते रात्रि करीब डेढ़ बजे मेरे घर आए और दरवाजा खटखटाया। जिसके बाद मै एवं मेरी पत्नी जागे और दरवाज़ा खोला। जैसे ही मै बाहर आया तो देखा कि उक्त आरोपियों ने मेरे साथ पैसे लेना देन की बात कहते हुए गाली गलौज व मारपीट शुरू कर दी। जिसके बाद मेरी पत्नी व पिता ने बीच बचाव किया तो उनके साथ भी मारपीट व झूमा झटकी की गयी। किसी तरह मेरे भाई व परिवार के अन्य सदस्यों ने हमारे चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर वहाँ पहुंचें और बीच बचाव किया। घटना के बाद सुबह पीड़ितो द्वारा संबंधित पाली थाना क्षेत्र मे इस घटना की शिकायत दर्ज कराई। जिस पर पुलिस अधिकारी के पुत्रो समेत तीन लोगो के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 115,(2), (3), (5) के तहत मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गयी है।

प्रतिक्रिया....

पीड़ित परिवार थाना आया था। उनकी शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है, मुझे भी पता चला की आरोपी के पिता पुलिस विभाग में हैं लेकिन मामले में विधि अनुरूप कार्यवाही की जा रही है। घटना में जिस कार के उपयोग की बात सामने आई है, जांच उपरान्त तथ्य सामने आने पर उसे भी जप्त किया जाएगा । **मदनलाल मरावी, थाना प्रभारी, थाना पाली, उमरिया**

अब अधिवक्ता पीटा गया, तोड़ दिया हाथ, रेत कारोबारी पिटे

बीच शहर बच्चो की लड़ाई में हुई चाकूबाजी

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, नगर में अधिवक्ता सुरक्षित नहीं है और पुलिस को पूरी जानकारी होने के बाद भी अपराधी खुले आम जाकर अधिवक्ता पर हमला कर देते हैं ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पुलिस के संरक्षण में अपराध अपनी अराजकता पर आ पहुंचा है अन्यथा जब दो महत्वपूर्व पुलिस प्रकरण दर्ज हो चुका, अपराधी चिन्हित हो चुके थे इसके बाद भी अपराधियों के हौसले ऐसे कैसे बढ़ गए थे कि वह अधिवक्ता उदय सोनी के ऊपर सार्वजनिक तौर पर हमला कर देते। यह आशंका हालांकि उदय सोनी पहले ही जता चुके थे. क्योंकि पुलिस अपराधियों को पकड़ नहीं रही जबकि अपराधी खुलेआम घूम रहा है. अप्रत्यक्ष तौर पर अपराधियों को यह कहकर महिमामंडित किया जा रहा था कि वह पेसेवर अपराधी हैं इसलिए जब तक उच्च अधिकारी उन्हें योजनाबद्ध तरीके से नहीं पकड़ेंगे तब तक पुलिस का संरक्षण उन्हें मिलता रहेगा। इसकी आशंका बनी ही थी कि अधिवक्ता उदय सोनी के ऊपर अब इस बात के लिए हमला हो गया कि उनकी हिम्मत कैसे हुई कि वह अपराधियों के खिलाफ पुलिस प्रकरण हेतु शिकायत दर्ज कराए थे। अधिवक्ताओं ने की कड़ी निंदा कहते हैं आज सुबह ही अधिवक्ता उदय सोनी के ऊपर जानलेवा हमला चार-पांच लोगों ने मिलकर कर दिया। इसके पहले घटना गंभीर हो पाती पब्लिक प्लेस होने के कारण अपराधियों ने चेतावनी देकर भाग गए। आज राजस्व बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने इस घटना में कड़ी निंदा करते हुए पुलिस अधीक्षक से मिलकर तत्काल अपराधियों को पकड़ने की बात कही है।

पीड़ित है खौफ जदा- देखना होगा कि पुलिस प्रशासन अब भी अपराधियों को पकड़ने में कितनी सफलता प्राप्त करते हैं। अन्यथा नए सिरे से अपराधियों को हत्या करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जा सकता है ताकि दर्ज प्रकरण में न सिर्फ अधिवक्ता उदय सोनी बल्कि अन्य अधिवक्ता तहसील कैंपस में अपराधियों के आतंक और खौफ से अपना काम करना सीख लें।

बदस्तूर संदेह के गहरे में पुलिस- मामले में जानकारी के मुताबिक इससे पहले भी विवाद की इस्थिति उत्पन्न हो चुकी है पहली बार हमला होने के बाद उदय सोनी का हाथ तोड़ दिया गया था तब प्रभावशाली कार्यवाही पुलिस के द्वारा बार एसोसिएशन क्यों नहीं करवा पाया या फिर बार एसोसिएशन के कुछ सदस्य अपराधियों को इस प्रकार से संरक्षण देने का काम करते हैं जैसे पुलिस विभाग के कतिपय भ्रष्ट लोगों की रोजी-रोटी अपराधियों के अपराध पर आधारित होती है। बहरहाल देखना होगा कि अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस इस बार भी तमासबीन की तरह काम करती है या फिर तत्काल अपराधियों को हिरासत में लेकर अराजकता पूर्ण और आतंक पूर्ण अपराध पर अंकुश लगाने का प्रयास करती है, ऐसा नहीं है कि पुलिस अगर चाहती तो आईजी मुख्यालय शहडोल नगर में इस पारदर्शी हमले पर कड़ी कार्रवाई नहीं कर सकती थी.. किंतु यह पुलिस का आंतरिक भ्रष्टाचार ही था जो हमेशा की तरह उसे कार्यवाही से रोक रहा था, जैसे 21 जून 2023 थाने में सुबह से शाम तक बैठी महिला फरियादी गीता सिंह का भूमाफिया आदतन अपराधी जिसके विरुद्ध उसी थाना कोतवाली में कई अपराध दर्ज है उस भूमाफिया की ताकत का इस बात से लगाइये पुलिस एफआईआर की जगह समझौता करवाती है बाकायदा सील मोहर लगाकर आज एक साल से वो महिला पुलिस की दी छूट की बदौलत माफिया खुले आम घूम रहा है और महिला दफ्तर दफ्तर चक्कर लगा रही है, यही कानून व्यवस्था अपराधियों का हसला बढाती है, वही जिले में वर्तमान समय में हो रहा है इसकी पटवारी प्रसन्ना सिंह बघेल से लेकर आज वकील का सरेराह पिट जाना तो यही बतलाता है।

वर्षो से चुनौती बन रहे अपराधी-गौरतलब है की आज मान लिया जाना उचित होगा अपराधियों के हाथ इतने लंबे थे कि वह पुलिस कार्यवाही पर बाधक हो रही थी..? कारण चाहे जो भी रहा हो किंतु सच्चाई अब सामने है की जवान खोली तो पहले हाथ तोड़ा... अब पैर तोड़ दिया है.. अब बारी यह है कि पूरे परिवार की घर में घुसकर हत्या क्यों न कर दी जाए...? अपराधियों के शायद यही मंसा इस हमले का पारदर्शी संदेश है और पुलिस इस मंसा को किस कदर कामयाब होने देगी यह भी देखना होगा..... फिलहाल अधिवक्ता उदय सोनी का परिवार पुलिस और अपराधियों की पूरा कुश्ती से आतंक के साए में जी रहा है कि क्या वह अपने घर में सुरक्षित है...? अथवा अधिवक्ता का पेसा उसे त्याग देना चाहिए...? अप्रत्यक्ष तौर पर सोहागपुर एसडीएम कार्यालय क्षेत्र में भी यह संदेश सभी वकीलों को है कि वह भी उन अपराधियों की दहशत के साए में रहना सीख ले और उनके किसी भी गैर कानूनी कार्यों पर बाधक न बने अन्यथा उनका भी यही परिणाम होगा जो अधिवक्ता उदय का हुआ है। तो यह चुनौती पुलिस आईजी को भी समझी क्यों नहीं जानी चाहिए आखिर शहडोल नगर आईजी मुख्यालय भी है।

सिक्किम हादसे में शहीद हुए 4 जवानो में कटनी के प्रदीप पटेल की भी गयी जान

जयराघवगढ़ के शहीद प्रदीप पटेल को दी श्रद्धांजलि, विधायक संजय पाठक ने की विदाई की अपील

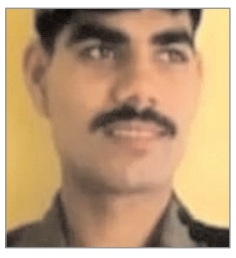

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, सिक्किम के पाकयोंग जिले में एक सड़क दुर्घटना में सेना के 4 जवान शहीद हो गए। इस घटना में जान गंवाने वाले सिपाहियों में कटनी जिले के विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हरदुआ कला के रहने वाले प्रदीप पटेल पिता वैशाखू पटेल उम्र 24 वर्ष भी शहीद हो गए हैं। इस घटना में चार जवानों की मौत हुई है। शहीद प्रदीप पटेल के विधानसभा के बीजेपी विधायक ने भी श्रद्धाजली अर्पित करते हुए कहा की शहीद का पार्थिक शरीर एयरलिफ्ट कर जबलपुर लाया जाएगा और बया रोड जबलपुर से कटनी और कटनी से उनके निवास स्थान पहुंचेगा और उससे जो सहयोग होगा वह जरूर करेंगे और विधायक संजय पाठक ने यह भी कहा की वह कटनी वासियों से गुजारिश करुगा की वह सभी इस शाहिद बेटे की विदाई के लिए विजयराघवगढ़ विधानसभा के हरदुआ ग्राम में पहुंचे और शाहिद को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

पीएनजी गैस की ग्रीन सिटी को मिली सौगात

सुरक्षित, किफायती एवं प्रदूषण मुक्त घरेलु गैस

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, शहर मे काफी समय से पाइपलाइन के माध्यम से घर घर कनैक्शन और पीएनजी गैस वितरण का कार्य किया जा रहा है। शहर के घीवाड़ा कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड कोलनी और ग्रीनसिटी कॉलोनी में कुल 75 घरों में पाइपलाइन द्वारा पीएनजी गैस का वितरण हो चुका है और इसी इलाके के और भी घरों में वितरण का काम प्रगतिपथ पर है। पीएनजी गैस के माध्यम से शहडोल शहर को प्रदूषण मुक्त करने के संकल्प में बीपीसीएल ने एक और उपलब्धि हासिल की है। बीपीसीएल ने शहर के ग्रीन सिटी कॉलोनी में अब पीएनजी कनैक्शन के लिए

पारंपरिक गैस मिटर के बाजाय स्मार्ट मिटर लगाने की परियोजना का लोकार्पण किया जा चुका है। दरअसल बीते दिनों बीपीसीएल के राउफ खान मुख्य महाप्रबन्धक (गैस परियोजना एवं वितरण), श्री दंडपानी के महाप्रबंधक (गैस वितरण), सुमेध वासनिक (क्षेत्रीय प्रबन्धक गैस), और अन्य अधिकारियो की मौजूदगी में ग्रीन सिटी कॉलोनी के अध्यक्ष राम लखन सिंह बघेल के घर पर स्मार्ट मिटर को चालू कर इस परियोजना की शुरुआत जी गई है।

लगेंगे 150 स्मार्ट मीटर....

बीपीसीएल के कर्ताधर्ता ने कॉलोनी के निवासियों के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिम्मेदार अफसरों की उपस्थित निवासियों को स्मार्ट मीटर के बारें में लगातार बताया जा रहा है। अब उपभोक्ता अपनी गैस के लिए अपनी मर्ज़ी से प्रीपैड रीचार्ज कर सकते है और साथ ही उन्होने प्रतिदिन कितनी गैस का इस्तेमाल किया यह भी जान सकते है। ज्योंकी यह एक आरंभिक परियोजना है इसीलिए बीपीसीएल के अधिकारियों ने बताया की कुल 150 स्मार्ट मिटर ही पहले चरण में ग्रीनसिटी और अन्य इलाको में लगाए जाएंगे और इसके सफल कार्यान्वयन के उपरांत ही शहर के और इलाको में इसको लगाया जाएगा। बीपीसीएल के इस प्रयास के निवासियों ने खूब सराहाना की है और शहर को प्रदूषण मुक्त करने के लिए एक और कदम बढ़ाया है।

कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, दान पेटी और नकदी बरामद

कटनी, कटनी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत झंडा बाजार स्थित चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में हुई चोरी का कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। जैन मंदिर में हुई चोरी में लिप्त 2 आरोपियों से मंदिर की दान पेटी व रकम बरामद की गई है। पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश करते हुए कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि 26 अगस्त 2024 को प्रार्थी अनिल सिंघई निवासी रघुनाथगंज कटनी ने कोतवाली ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए यह जानकारी दी की 25-26 अगस्त की दरम्यिानी रात में अज्ञात चोरों ने दिगम्बर जैन मंदिर में पीछे से घुसकर पहली मंजिल में रखी दान पेटी को चोरी कर लिया है। जिसमें अनुमानित दान

राशि 10 से 15 हजार रूपये रही होगी। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कटनी में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जैन मंदिर में चोरी करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने गुलशन वैष्णव बैरागी और रोशन वैष्णव बैरागी दोनों ग्राम घाट सिमरिया थाना सिहोरा जिला जबलपुर को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। दोनों आरोपी आपस में सगे भाई है जिनके विरुद्ध अन्य थानों में चोरी, मारपीट के प्रकरण पंजीबद्ध होना पाए गए है। आरोपियों से घटना के संबंध में पूंछताछ करने पर बताया कि उन्होनें चार दिन पहले मंदिर के आसपास की रैकी की थी, जो मंदिर के पीछे का लकड़ी का दरवाजा टूटा हुआ था और उन्हें इस बात की भी जानकारी लगी थी कि जैन मंदिरों की दान पेटियों में काफी पैसा रहता है। इसी कारण जैन मंदिर को निशाना बनाया था आरोपियों ने यह भी बताया कि दान पेटी में लगभग 19-20 हजार रूपये निकले थे जिसे दोनों भाईयों ने आपस में बांट लिए थे। चोरी किए गए पैसों में से आरोपी गुलशन वैष्णव से 1170 रू व रोशन वैष्णव से 1540 रू कुल 2710 रू जप्त किए गए है। शेष पैसा खाने-पीने में खर्च होना बताए है।

शहीद प्रदीप पटेल के परिवार से मिले विधायक

संजय पाठक दी सांत्वना और समर्थन का वचन

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, सड़क हादसे में शहीद हुए विजराघवगढ़ विधानसभा के ग्राम हरदुआ कला निवासी वीर सपूत प्रदीप पटैल के परिजनों से मिलने विधायक संजय सत्येंद्र पाठक पहुंचे और सांत्वना दी। विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा की देश की सेवा में रहते हुए शहीद हुए हमारे विजयराघवगढ़ विधानसभा के हरदुआ कला के वीर सपूत प्रदीप पटेल के बलिदान को लोग हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने कहा की शहीद के परिवार के साथ वे हमेशा साथ खड़े रहेंगे। उल्लेखनीय है की हरदुआ कला निवासी प्रदीप पटेल पिता वैसाखू पटेल उम्र 24 वर्ष, 2020 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। प्रदीप पटेल सेना में ड्राइवर थे। सिक्किम में सेना का वाहन 700 फुट गहरी खाई में गिरने की वजह से चार जवानों की शहादत हुई जिनमे कटनी जिले के विजराघवगढ़ के ग्राम हरदुआ कला के प्रदीप पटेल का नाम भी शामिल है। खबर मिलने के बाद विधायक संजय सत्येंद्र पाठक शहीद के घर पहुंचे और परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष उदयराज सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष मनीष देव मिश्रा, एसडीएम महेश मंडलोई, तहसीलदार मनीष शुक्ला, एसडीओपी केपी सिंह, सीईओ वृतेश जैन, थाना प्रभारी निरीक्षक रितेश शर्मा, उद्योगपति बाबू ग्रोवर, रंगलाल पटेल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। सभी ने शहीद को श्रद्धांजलि दी। बताया गया की शहीद की पार्थिव देह शनिवार को गृह ग्राम पहुंचेगी। विधायक श्री पाठक ने बताया की मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शहीद परिवार की हर संभव मदद करने की बात कही है। शहीद जवान की अंतिम यात्रा में शामिल होने कल प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ला, प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद बीडी शर्मा भी पहुंचेंगे।

गणेश उत्सव सामाजिक समरसता का प्रतीक

भारत देश अपनी सांस्कृतिक विशेषता के कारण दुनियां में एक अलग पहिचान रखता है। यही सांस्कृतिक विशेषता हमारे देश को श्रेष्ठता प्रदान करती हैं, इस विशेषता के दर्शन तीज त्यौंहार, उत्सव, परंपराओं में होते है। इसी तरह की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता भारत में नवदुर्गा उत्सव के बाद किसी सांस्कृतिक पर्व में नजर आती है तो वह है, दस दिवसीय गणेश उत्सव, इस उत्सव ने सम्पूर्ण देश को एकता के मोती में गूथ दिया। यह उत्सव किसी विशेष जाति, वर्ग का नहीं होकर राष्ट्रीय उत्सव नजर आता है। गणेश उत्सव ने देश की राष्ट्रीय चेतना जगाने और सामाजिक समरसता स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। महाराष्ट्र राज्य से शुरू हुआ यह उत्सव समय के साथ सम्पूर्ण भारत में मनाया जाना लगा। इस उत्सव की खास बात यह है की यह समाज के सभी वर्गों में समान उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया जाता है। जातिपाती और आर्थिक मतभिन्नता के परे इस उत्सव में गजब की सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता के दर्शन होते है। गणेशोत्सव की शुरुआत महाराष्ट्र के पुणे से हुई थी। गणेश चतुर्थी का इतिहास मराठा साम्राज्य के सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा है। ऐसी मान्यता है की भारत में मुगल शासन के दौरान अपनी सनातन संस्कृति को बचाने हेतु छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपनी माता जीजाबाई के साथ मिलकर गणेश चतुर्थी यानी गणेश उत्सव की शुरुआत की थी। यह उत्सव हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास की चतुर्थी से चतुर्दशी (चार तारीख चौदह तारीख तक) दस दिवस तक चलता है। गणेश जी निराकार दिव्यता हैं जो भक्त के उपकार हेतु एक अलौकिक आकार में स्थापित हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार वह भगवान शिव और देवी पार्वती के पुत्र है। गण का अर्थ है समूह। यह पूरी सृष्टि परमाणुओं और अलगङ्गअलग ऊर्जाओं का समूह है। यदि कोई सर्वोच्च नियम इस पूरी सृष्टि के भिन्नङ्गभिन्न संस्थाओं के समूह पर शासन नहीं कर रहा होता तो इसमें बहुत उथलङ्गपुथल हो जाती। इन सभी परमाणुओं और ऊर्जाओं के समूह के स्वामी हैं गणेशजी। वे ही वह सर्वोच्च चेतना है, जो सर्वव्यापी है, और इस सृष्टि में एक व्यवस्था स्थापित करती है। आदि शंकराचार्य ने गणेश जी के सर का बहुत सुन्दरता से गणेश स्त्रोत में विवरण प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार हालांकि, गणेश जी की पूजा हाथी के सिर वाले भगवान के रूप में होती है, लेकिन यह आकार या स्वरूप वास्तव में उस निराकार परब्रह्म रूप को प्रकट करता है। वे ' अजं निर्विकल्प निराकारमेकम' है। अर्थात गणेश जी अजं (अजन्मे) हैं, निर्विकल्प (बिना किसी गुण के) हैं, निराकार (बिना किसी आकार के) हैं और वे उस चेतना के प्रतीक हैं, जो सर्वव्यापी है। गणेश जी वही ऊर्जा है जो इस सृष्टि का कारण है। यह वही ऊर्जा हैंग जिसमे सबकुछ प्रकट होता है और जिसमे सबकुछ विलीन हो जाता है। भगवान गणेश जी के जन्म की कहानी हम सभी उस कथा को जानते हैं, कि कैसे गणेश जी हाथी के सिर वाले भगवान बने। गणेश जी भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। पुरातनकाल से हिंदू समाज कोई भी शुभ कार्य निर्विघ्न संपन्न करने के लिए उसका आरंभ गणपति की पूजा से होता है। गणेश जी सुखङ्गसमृद्धि, वैभव एवं आनंद के अधिष्ठाता हैं। समाज में सभी शुभ कार्यों का प्रारंभ उनके दिव्य स्वरूप का स्मरण करके किया जाता है। व्यापारी अपने बहिखातों पर 'श्री गणेशाय नमः' लिखकर ही नए वर्ष का प्रारंभ करता है। विवाह के मांगलिक अवसर पर भी गणेश पूजा की जाती है। श्री गणेश जी की अराधना से जुड़े इस उत्सव का राष्ट्रीय महत्व भी है। पेशवाओं ने गणेश उत्सव को बढ़ावा दिया। कहते है पुणे में कस्बा गणपति नाम से प्रसिद्ध गणपति की स्थापना शिवाजी महाराज की मां जीजाबाई ने की थी। परंतु लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणेशोत्सव को राष्ट्रीय स्वरूप दिया। इससे पूर्व गणेश पूजा परिवार तक ही सीमित थी। पूजा को सार्वजनिक महोत्सव का रूप देते समय उसे केवल धार्मिक कर्मकांड तक ही सीमित नहीं रखा। बल्कि आजादी की लड़ाई, तात्कालीन समाज में व्याप्त छुआछूत दूर करने और जाति, वर्ग,अमीर, गरीब के भेद से ऊपर उठकर समाज को एक रुपता प्रदान करने के लिए इससे बढ़कर उसे अंग्रेजो के खिलाफ एक आंदोलन का स्वरूप दिया। बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेशउत्सव का जो सार्वजनिक पौधारोपण किया वह समय के साथ बढ़ता चला गया। अंग्रेजो के विरुद्ध आजादी की लड़ाई में गणेश उत्सव से निर्मित सामाजिक और राष्ट्रीय एकता हथियार के रूप में सामने आने लगी। तिलक ने गणेश उत्सव को सांस्कृतिक एवं सामाजिक समरसता का रूप दिया। उसके बाद महाराष्ट्र से यह उत्सव सम्पूर्ण भारत और दुनियां में मनाया जाने लगा। इस दस दिवसीय उत्सव का उल्लास पुणे और मुंबई में बड़े रूप में देखने को मिलता है। यहां विशाल गणेश पांडालों में झांकियां सजाई जाती है। देश के अन्य राज्यों में भी गणेश उत्सव परंपरागत उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। घरों, संस्थाओं, गली मोहल्लों में गणेश जी प्रतिमाओं की स्थापना की जाती है। प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। बच्चो से जुड़ी प्रतियोगिताएं, खेलकूद, नाच, गाना, बजाना, सभी गली मोहल्लों, कालोनियों के लोगो को आपस में जोड़ देते है। गणेश उत्सव के दौरान बने रिश्ते समाज को आपस में जोड़ने का काम करते है।

सीएसपी के पुत्रों की दबंगई, घर में घुसकर दंपत्ति से की मारपीट, आधी रात दरवाजा खुलवाया, पैसा वसूली को लेकर हुई वारदात

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, संभागीय मुख्यालय से सटे ग्राम मेढ़की मे एक किसान के घर मे घुसकर, पुलिस अधिकारी के दो पुत्रो ने अपने साथी के साथ मिलकर देर रात किसान व उसके परिवार के सदस्यो के साथ जमकर मारपीट की। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी शराब के नशे थे। साथ ही जिस कार मे वह इस वारदात को अंजाम देने गए थे, उसका एक वीडियो शोसल मीडिया मे वायरल हो रहा हैं। जिसमे शराब की बॉटल रखी हुईं दिखाई पड़ रही हैं। उक्त आरोपियो के पिता महेन्द्र सिँह वर्तमान समय सतना जिला मे

सीएसपी के रूप मे पदस्थ हैं। जबकि पूर्व मे वह शहडोल जिले के बुढ़ार थाना प्रभारी के रह चुके हैं। उनका मकान शहडोल मे ही बना हुआ हैं। कहीं न कही इस बात का रसूख ही है जो देर रात घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। इस संबंध मे मिली जनाकरी के अनुसार संभागीय मुख्यालय से सटे ग्राम मेढ़की थाना पाली निवासी शहबाज खान पिता लल्लन खान 27 वर्ष ने थाने मे अपने परिजनों के साथ थाने मे शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वतन प्रताप सिह, मोनू सिह उर्फ़ बृजेन्द्र प्रताप सिह दोनों पिता महेन्द्र सिह अपने साथी गोलू बर्मन निवासी शहडोल के साथ बीते रात्रि करीब डेढ़ बजे मेरे घर आए और दरवाजा खटखटाया। जिसके बाद मै एवं मेरी पत्नी जागे और दरवाज़ा खोला। जैसे ही मै बाहर आया तो देखा कि उक्त आरोपियों ने मेरे साथ पैसे लेना देन की बात कहते हुए गाली गलौज व मारपीट शुरू कर दी। जिसके बाद मेरी पत्नी व पिता ने बीच बचाव किया तो उनके साथ भी मारपीट व झूमा झटकी की गयी। किसी तरह मेरे भाई व परिवार के अन्य सदस्यों ने हमारे चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर वहाँ पहुंचें और बीच बचाव किया। घटना के बाद सुबह पीड़ितो द्वारा संबंधित पाली थाना क्षेत्र मे इस घटना की शिकायत दर्ज कराई। जिस पर पुलिस अधिकारी के पुत्रो समेत तीन लोगो के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 115,(2), (3), (5) के तहत मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गयी है।

प्रतिक्रिया....

पीड़ित परिवार थाना आया था। उनकी शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है, मुझे भी पता चला की आरोपी के पिता पुलिस विभाग में हैं लेकिन मामले में विधि अनुरूप कार्यवाही की जा रही है। घटना में जिस कार के उपयोग की बात सामने आई है, जांच उपरान्त तथ्य सामने आने पर उसे भी जप्त किया जाएगा । **मदनलाल मरावी, थाना प्रभारी थाना पाली, उमरिया**

कोलकाता में एक प्रशिक्षु महिला से दुष्कर्म और हत्या के मामले में कार्रवाई

ईडी के हत्थे चढ़ा कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल का करीबी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक प्रशिक्षु महिला से दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी प्रसून चटर्जी को हिरासत में लिया। सात घंटे के ऑपरेशन के बाद ईडी के अधिकारियों ने प्रसून चटर्जी को सुभाषग्राम के डी पारा इलाके में उनके आवास से हिरासत में लिया। प्रसून चटर्जी को संदीप घोष का करीबी बताया जा रहा है। वह कई वीडियो में घटनास्थल पर भी संदीप के साथ दिखे।

ईडी अधिकारियों के साथ अपने आवास से बाहर निकलते हुए प्रसून चटर्जी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, ह्लमैंने ईडी अधिकारियों के सभी सवालों का जवाब दिया।ह्व इस दौरान उनके पड़ोसी बाहर आए और हमें न्याय चाहिए के नारे लगाने लगे। सीबीआई ने संदीप घोष और तीन सहयोगियों को तीन सितंबर को गिरफ्तार किया था। संदीप घोष के बेलियाघाटा आवास पर भी छापेमारी की गई। उनकी पत्नी ने कहा, ह्लमेरे पति पर लगाए गए आरोप झूठे हैं। वह बेकसूर है और यह समय के साथ साबित होगा।

संदीप घोष पर वित्तीय गड़बड़ी का आरोप

आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल रहने के दौरान संदीप घोष पर वित्तीय गड़बड़ी करने के आरोप लगे थे। ये आरोप आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली ने लगाए थे। अख्तर अली ने अपनी शिकायत में संदीप घोष पर अस्पताल में लावारिस शवों की तस्करी, बायो-मेडिकल कचरे के निपटान में भ्रष्टाचार, निर्माण निविदाओं में भाई-भतीजावाद करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत मिलने के बाद कोलकाता पुलिस ने 19 अगस्त को संदीप घोष के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत केस दर्ज किया था, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने 24 अगस्त को जांच अपने हाथ में ली थी।

ये है पूरा मामला?

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना नौ अगस्त की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। गुरुवार को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। घटना के दूसरे दिन सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ।

घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की शुरूआती रिपोर्ट से पता चला है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। जूनियर महिला डॉक्टर का शव गद्दे पर पड़ा हुआ था और गद्दे पर खून के धब्बे मिले। शुरूआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि मृतक महिला डॉक्टर के मुंह और दोनों आंखों पर था। गुप्तांगों पर खून के निशान और चेहरे पर नाखून के निशान पाए गए। होठ, गर्दन, पेट, बाएं टखने और दाहिने हाथ की उंगली पर चोट के निशान थे।

ईडी के रडार पर संदीप घोष की अकूत संपत्ति, सैकड़ों बीघा जमीन के बीचोबीच बना भव्य बंगला

पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के घर सहित कई स्थानों पर छापेमारी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरजी कर अस्पताल में 2021 में वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में शुक्रवार को कोलकाता और पड़ोसी जिलों में छापेमारी की। ईडी ने हॉस्पिटल के गिरफ्तार पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के घर सहित कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। ईडी के जांचकर्ता सुबह-सुबह चार समूहों में निकले और एक टीम पूर्वी कोलकाता के बेलियाघाटा में घोष के आलीशान घर पहुंची, जहां प्रवेश से पहले अधिकारियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। ईडी ने हावड़ा के सालकिया में गिरफ्तार आरोपी विक्रेता बिप्लब सिन्हा पास में रहने वाले उसके करीबी साथी कौशिक नाग और उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में घोष के करीबी सहयोगी प्रसून चटर्जी के घर की भी तलाशी ली।

रिपोर्ट के मुताबिक, संदीप घोष और दूसरे संदिग्धों से कई दौर की पूछताछ के बाद एक भव्य बंगले के बारे में जानकारी मिली। दक्षिण 24 परगना जिले में घुटियारी शरीफ के नारायणपुर मौजा में कई सौ बीघे खाली जमीन है, जिसके बीच में यह कोठी बनाई गई है। संदीप घोष के इस हरे रंग के 2 मंजिला बंगले ने आरजी कर अस्पताल में वित्तीय घोटाले की जांच को हवा दी है। इस प्रॉपर्टी का नाम ह्यसंगीता संदीप विलाह्न है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि यह आलीशान मकान घोष का है और उन्होंने उसे अपनी पत्नी व परिवार के साथ उसमें जाते देखा है। बताया जा रहा है कि संदीप घोष ने बंगले का नामकरण अपने और अपनी पत्नी के नाम संगीता घोष के नाम पर रखा है।

आरजी कर अस्पताल में वित्तीय घोटाले का मामला

अस्पताल के पूर्व अधीक्षक अख्तर अली की याचिका के बाद कलकत्ता हाई कोर्ट की ओर से उइक को इस मुद्दे की जांच करने के लिए कहा गया था, जिसके बाद ईडी आरजी कर अस्पताल में कथित वित्तीय घोटाले में धन के लेन-देन की जांच कर रही है। ईडी ने आपराधिक मामलों में ऋकफ के आधार पर संदीप घोष के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट दर्ज की है। कलकत्ता एचसी ने 23 अगस्त को सरकारी अस्पताल में वित्तीय घोटाले की जांच राज्य की ओर से गठित विशेष जांच दल (रकळ) से सीबीआई को ट्रांसफर करने का आदेश दिया था। सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई ने घोष को सोमवार रात को गिरफ्तार किया था। इसके अगले दिन विशेष अदालत ने उन्हें जांच एजेंसी की 8 दिन की हिरासत में भेज दिया।

ऐसे सामने आया यह पूरा केस

सीबीआई ने संदीप घोष, सिन्हा और 2 अन्य को इस मामले के सिलसिले में 2 सितंबर को गिरफ्तार किया था। वर्तमान में सीबीआई की हिरासत में 2 अन्य है उनमें घोष के अंगरक्षक अफसर अली और सिन्हा की तरह का निजी विक्रेता सुमन हाजरा शामिल हैं। मालूम हो कि आरजी कर अस्पताल में 9 अगस्त को अपने कार्यस्थल पर 31 वर्षीय महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के एक अन्य मामले में सीबीआई ने अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। हाई कोर्ट ने 14 अगस्त को संघीय एजेंसी को बलात्कार और हत्या की जांच करने का निर्देश दिया। साथ ही, मामले को कोलकाता पुलिस से ट्रांसफर कर दिया, जिसने पुलिस से जुड़े संदिग्ध संजय रॉय को गिरफ्तार किया था।

मणिपुर के बिष्णुपुर में उग्रवादियों के इस हमले में एक बुजुर्ग की मौत, पांच घायल

पूर्व मुख्यमंत्री के आवास के पास रॉकेट हमला

इंफाल। बीते डेढ़ साल से मणिपुर में हिंसा जारी है। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जारी हिंसा फिलहाल थमती नहीं दिख रही है। इस बीच बिष्णुपुर के मोइरंग इलाके में उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इस हमले में अन्य पांच लोग भी घायल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री मैरेम्बम कोइरेंग के आवास के परिसर पर रॉकेट गिरा था। जिले में यह दूसरा रॉकेट हमला है।

एक अधिकारी ने बताया कि जब रॉकेट हमला हुआ तब बुजुर्ग परिसर में कुछ धार्मिक कार्यक्रम में व्यस्त था। इस हमले के बाद मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस दौरान 13 साल की एक बच्ची समेत पांच लोग भी घायल हुए। यह रॉकेट आईएनए मुख्यालय से दो किमी दूर गिरा। इससे पहले दिन में इंफाल से लगभग 45 किमी दूर स्थित ट्रोंग्लाओबी के आवालसीय इलाके में एक ऊंचे स्थान से रॉकेट दागा गया था।

पहले भी हो चुका है ड्रोन हमला

इस घटना के कुछ दिन पहले उग्रवादियों ने इंफाल पश्चिम जिले में ड्रोन से हमला किया था। इस हमले में 23 वर्षीय एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों ने कांगपोकपी जिले के पहाड़ी इलाकों से सेजम चिरांग के निचले इलाके में स्थित गांव पर अंधाधुंध गोलीबारी भी की, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। यह स्थान कोउत्रुक से तीन किलोमीटर दूर है। यहां रविवार को इसी तरह के ड्रोन के जरिए बम हमले किए गए थे। यहां फायरिंग भी हुई थी, जिसमें दो लोग मारे गए थे और नौ घायल हो गए थे।

मराठा आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका पर की सुनवाई

बॉम्बे हाईकोर्ट की कार्रवाई में शामिल हुए सिंगापुर सुप्रीम कोर्ट के तीन जज

मुंबई। पहली बार, सिंगापुर के सर्वोच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीश, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन भी शामिल रहे, शुक्रवार को बॉम्बे उच्च न्यायालय की पीठों का हिस्सा बने। इस दौरान सिंगापुर के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मेनन ने ऐतिहासिक केंद्रीय न्यायालय में बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय के साथ-साथ न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी और फिरदौस पूनीवाला के साथ औपचारिक पीठ साझा की। बता दें कि इस पीठ ने महाराष्ट्र में मराठा समुदाय को दिए गए आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर संक्षिप्त सुनवाई की। वहीं सिंगापुर के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रमेश कन्नन ने न्यायमूर्ति नितिन जामदार और न्यायमूर्ति एमएम सथाये के साथ पीठ साझा की, जबकि उस देश के

न्यायमूर्ति आंद्रे फ्रांसिस मनियम ने उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति केआर श्रीराम और जितेंद्र जैन के साथ औपचारिक पीठ साझा की।

बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने किया स्वागत

न्यायालय की कार्यवाही शुरू होने से पहले सिंगापुर के मुख्य न्यायाधीश मेनन का स्वागत करते हुए मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आज हमारे बीच सिंगापुर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन हैं। वे साल 2015 में बॉम्बे में थे। मैं उनका एक बार फिर स्वागत करता हूं। वहीं महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने बताया कि पीठ उस न्यायालय कक्ष में एकत्रित हुई थी, जहां स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक के खिलाफ मुकदमा चला था और जहां उन्हें दोषी ठहराया गया था।

आरक्षण का निर्णय मनमाना और अवैध था

महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने कहा, मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन सिंगापुर और भारत के बीच विचारों के सहयोग के बारे में हमारे अपने भारत के मुख्य न्यायाधीश (डी वाई चंद्रचूड़) के समान विचार रखते हैं। जबकि मराठा आरक्षण मामले में याचिकाकताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील प्रदीप संचेती ने कहा कि आरक्षण का निर्णय मनमाना और अवैध था। पीठ ने मामले की संक्षिप्त सुनवाई की। वहीं सुनवाई के बाद जाने से पहले मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन ने झुककर न्यायालय में उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

माकपा नेता सीताराम येचुरी को फेफड़ों में संक्रमण, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी को एम्स में फेफड़ों के संक्रमण के इलाज के लिए दाखिल किया गया है। एम्स में उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक सीताराम येचुरी की हालत अभी गंभीर बनी हुई है। वह बीते दो दिनो से वेंटिलेटर पर हैं। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।

माकपा ने बताया कि कामरेड सीताराम येचुरी की हालत स्थिर है। 77 वर्षीय माकपा नेता सीताराम येचुरी को।पहले 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें आईसीयू में ले जाया गया था। तभी से उनका इलाज किया जा रहा है। गुरुवार को उनकी तबीयत एक बार फिर बिगड़ गई थी।

सीताराम येचुरी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव और पार्टी के संसदीय समूह के नेता हैं। उनका जन्म 12 अगस्त 1952 को चेन्नई में एक तेलुगु भाषी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वह 2016 में राज्यसभा में सर्वश्रेष्ठ सांसद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। आपातकाल में जेएनयू में रहते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद वह लगातार तीन बार जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए। 1984 में उनको सीपीआई एम की केंद्रीय समिति में शामिल किया गया था। 2015 में उनको पार्टी का महासचिव चुना गया।

येचुरी 2005 में पश्चिम बंगाल से राज्यसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने सदन में कई मुद्दे उठाए। पिछले कई दिनों से उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा है। हाल ही में येचुरी की मोतयाबिंद की सर्जरी हुई थी। अब फेफड़ों में संक्रमण के चलते उनको एम्स में भर्ती किया गया है। उन्होंने हाल ही में कोलकाता की घटना को लेकर बयान दिया था। साथ ही नए आपराधिक कानूनों को लेकर दायर याचिका में विपक्षी गठबंधन इंडिया का समर्थन किया था। वामपंथी नेताओं के तौर पर उनकी अलग पहचान है। वह हमेशा वामपंथी विचारधारा को लेकर आवाज उठाते रहते हैं।

यूरोपीय जलवायु एजेंसी का बड़ा दावा, पिछले साल से भी ज्यादा रहा इस साल का औसत तापमान

नई दिल्ली। यूरोप की जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस ने दावा किया है कि इस साल की गर्मियों के दौरान धरती का तापमान सबसे ज्यादा रहा। एजेंसी का कहना है कि ये साल मानवता के इतिहास में सबसे गर्म साल रहा। वैज्ञानिकों का कहना है कि रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की वजह मानव जनित कारणों के अलावा, जलवायु परिवर्तन, अल नीनो प्रभाव और मौसम संबंधी बदलाव हैं। कॉपरनिकस के अनुसार, जून, जुलाई और अगस्त में औसत तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस (62.24 डिग्री फारेनहाइट) था। यह 2023 के पुराने रिकॉर्ड से 0.03 डिग्री सेल्सियस (0.05 डिग्री फारेनहाइट) ज्यादा गर्म है। कोपरनिकस के रिकॉर्ड 1940 से ही मौजूद हैं, लेकिन अमेरिकी, ब्रिटिश और जापानी रिकॉर्ड, जो 19वीं सदी के मध्य से शुरू होते हैं, बताते हैं कि पिछले दशक में औसत तापमान सबसे ज्यादा गर्म रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि बीते 1,20,000 वर्षों में यह सबसे ज्यादा तापमान है। कॉपरनिकस के निदेशक कार्लो बुओंटेम्पो ने बताया कि साल 2024 और 2023 में अगस्त महीने के दौरान औसत तापमान 16.82 डिग्री सेल्सियस रहा, जो वैश्विक तापमान के बराबर है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आंकड़े बताते हैं कि किस तरह से जलवायु परिवर्तन का हम पर शिकंजा कसता जा रहा है। इससे पहले पिछला साल यानी कि 2023 भी औसत तौर पर काफी गर्म रहा था और ऐसी चर्चा थी कि क्या 2023 धरती का सबसे गर्म साल रहा, लेकिन अब 2024 के आंकड़े सामने आने के बाद साफ हो गया है कि ये साल धरती का सबसे गर्म साल रहा।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव से पहले अलगाववादी नेता मीरवाइज नजरबंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में चुनावों के चलते अलगाववादी नेता और मस्जिद के प्रमुख मीरवाइज उमर फारुख को नजरबंद कर दिया गया है। उन्हें शुक्रवार को भी जुमे की नमाज पढ़ने और उपदेश देने की अनुमति नहीं दी गई। अपनी नजरबंदी की आलोचना करते हुए मीरवाइज ने आशंका व्यक्त जताई कि उन्हें जम्मू-कश्मीर चुनाव के अंत तक हिरासत में रखा जा सकता है, जो कि 18 सितंबर से शुरू हो कर 1 अक्टूबर को समाप्त होगा। जामिया मस्जिद की प्रबंधक संस्था अंजुमन औकाफ ने कहा कि मीरवाइज उमर फारुख को शुक्रवार को अधिकारियों ने बताया कि उन्हें घर पर ही नजरबंद किया जा रहा है और उन्हें शुक्रवार का उपदेश देने और नमाज के लिए मंदिर में जाने की इजाजत नहीं है।

अपनी नजरबंदी पर मीरवाइज ने एक बयान में कहा कि यह एक और शुक्रवार है जब मुझे उपदेश देने के लिए और जुमे की नमाज अदा करने के लिए जामा मस्जिद जाने से रोक दिया गया है, पिछले सितंबर में कोर्ट जाने के बाद मुझे नजरबंदी से रिहा किया गया था और अब यह फिर शुरू कर दिया गया है। इस मामले पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन का पक्ष जानने के लिए एचटी ने श्रीनगर के डिप्टी कमीश्नर बिलाल मोहिउद्दीन भट और एसएसपी इम्तियाज हुसैन से बात की लेकिन उन्होंने इस पर कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन मीरवाइज की यह नजरबंदी उस वीडियो

से जोड़ कर देखी जा रही है, जिसमें वह मस्जिद में उपदेश देते नजर आ रहे हैं कि हमारे अपने लोग अत्याचारियों का समर्थन करने और हमारे खिलाफ हथियार बनने के लिए तैयार हो गए हैं। अपने व्यक्तिगत हितों के लिए वह अपने समाज और समुदाय को धोखा देने के लिए तैयार हो गए हैं। लोगों ने इसे जमात-ए-इस्लामी के चुनावों में शामिल होने को लेकर देखा। क्योंकि जमात के लोग भी पहले अलगाववादियों के साथ मिलकर चुनावों का बहिष्कार करते थे।

2019 में आर्टिकल 370 को हटाते समय मीरवाइज को किया गया था नजरबंद

2019 में जब केन्द्र सरकार ने आर्टिकल 370 को हटाने का ऐतिहासिक फैसला लिया था तो जम्मू-कश्मीर के बाकी नेताओं की तरह मीरवाइज को भी नजरबंद कर दिया गया था। लगातार नजरबंदी में रहने के बाद कोर्ट के दखल के बाद सितंबर 2023 में मीरवाइज को रिहा किया गया और मस्जिद में उन्हें उपदेश देने की अनुमति दी गई थी।

मीरवाइज ने कहा कि बिना कोई कारण बताए उन्हें बस यह बता दिया गया कि वह बाहर नहीं जा सकते, यह बहुत ही निराशाजनक है। मेरी पूरी स्वतंत्रता सत्ता पर बैठे कुछ लोगों के आदेश पर है वह जब चाहे मुझे नजरबंद कर देते हैं। एक मजहबी और सामाजिक हस्ती के रूप में मेरी गतिविधियों को रोक दिया गया है, जिससे मुझे और उन गतिविधियों से जुड़े लोगों को परेशानी हो रही है। अफवाह है कि मुझे चुनाव के अंत तक नजरबंदी में रखा जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569